हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, रविवार, 2 फरवरी 2025 | अंक 111/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

बसंत पंचमी
की हार्दिक शुभकामनाएं।

Rokde JEWELLERS
Purely Yours

बसंत पंचमी के शुभ मुहूर्त
पर अपनी लाड़ली बेटी के लिए
सोने खरीदने का सुनहरा मौका

अपने
पुराने गोल्ड का
101%
मूल्य पाए*
और ले शानदार नए आभूषण
Exchange Offer में
No Hidden Charges
T&C Apply*

FLAT 25% OFF
गोल्ड और डायमंड
बैंगल/ कंगन/ नेकलेस
सेट की मेकिंग चार्ज पर

लाडली बेटी ऑफर का आज आखिरी दिन!

लाडली बेटी ऑफर को सफल बनाने के लिए दिल से आभार। आज इस विशेष ऑफर का आखिरी दिन है, अपनी बेटी के सपनों को नई उड़ान देने का यह सुनहरा अवसर हाथ से न जाने दें।

लाडली बेटी
17 Jan to 2 Feb

हमारे सभी शोरूम हर दिन खुले रहते हैं, रविवार को भी

नागपुर: लक्ष्मीनगर | महल | इतवारी | एयरपोर्ट | कोराडी | हिंगणा रोड | भंडारा | टोल फ्री क्रमांक 1800 268 1010 | www.rokdejeweller.com

बजट : मकानमालिकों को बड़ा तोहफा

नई दिल्ली. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को किराए पर स्रोत पर कर (टीडीएस) कटौती की वार्षिक सीमा को वर्तमान 2.4 लाख रुपये से बढ़ाकर 6 लाख रुपये करने का ऐलान किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा, मैं टीडीएस की कटौती की दरों और सीमा को कम करके स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव करती हूं। इसके अलावा, बेहतर स्पष्टता और एकरूपता के लिए कर कटौती की सीमा राशि बढ़ाई जाएगी। उन्होंने घोषणा की कि किराए पर टीडीएस के लिए 2.40 लाख रुपये की वार्षिक सीमा को बढ़ाकर 6 लाख रुपये किया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि इससे टीडीएस के लिए उत्तरदायी लेनदेन की संख्या कम हो जाएगी, जिससे छोटे करदाताओं को छोटे भुगतान प्राप्त करने में लाभ होगा।

बजट दस्तावेज के अनुसार, आयकर अधिनियम की धारा 194-आई के अनुसार, कोई भी व्यक्ति, जो किसी निवासी को किराए के रूप में कोई आय देने के लिए जिम्मेदार है, उसे लागू दरों पर आयकर तभी काटना चाहिए, जब ऐसी किराये की आय की राशि एक वित्तीय वर्ष में 2.4 लाख रुपये से अधिक हो। इसमें कहा गया है, "स्रोत पर कर कटौती की आवश्यकता के लिए किराए के माध्यम से आय की इस सीमा राशि को एक वित्तीय वर्ष में 2.4 लाख रुपये से बढ़ाकर एक महीने या एक महीने के हिस्से में 50,000 रुपये करने का प्रस्ताव है।"

टैक्स एक्सपर्ट का कहना है कि बजट में किया गया यह प्रस्ताव उन सभी लोगों को प्रभावित करता है जो किराया देते हैं (या प्राप्त करते हैं) और टीडीएस के अधीन हैं- चाहे वह घर का किराया हो या कार्यालयों, दुकानों या अन्य संपत्तियों का किराया हो। वार्षिक टीडीएस-ऑन-रेंट सीमा को 2.40 लाख रुपये से बढ़ाकर 6 लाख रुपये करने से, कम मूल्य के किराये के लेन-देन में टीडीएस कटौती की आवश्यकता कम होगी। इससे मुख्य रूप से मकान मालिकों (विशेष रूप से छोटे मकान मालिकों) को लाभ होगा, जिन्हें प्रति वर्ष 6 लाख रुपये से कम किराया मिलता है, क्योंकि किरायेदार अब उस किराए पर टीडीएस नहीं काटेंगे। इससे कम किराया देने वाले किरायेदारों को भी लाभ होगा, क्योंकि उन्हें टीडीएस काटने और जमा करने से जुड़े अतिरिक्त कागजी कार्रवाई या अनुपालन कार्यों को नहीं संभालना पड़ेगा। यानी अगर वार्षिक किराया 6 लाख रुपये से कम है, तो किराए पर टीडीएस लागू नहीं होगा (यदि यह प्रस्ताव कानून बन जाता है)। इसका उद्देश्य छोटे करदाताओं की मदद करना है।

उद्योग जगत ने बजट को सराहा, आर्थिक विकास और सुधारों के लिए बताया बड़ा कदम

नई दिल्ली. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए आम बजट को भारतीय उद्योग जगत के दिग्गजों से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। भारतीय उद्योग ने बजट को समावेशी, आर्थिक विकास और सुधारों बाला बताते हुए सराहना की। उद्योग जगत ने इनकम टैक्स छूट सीमा 12 तक करने, कैपिटल एक्सपेंडिचर (कैपेक्स) पर जोर और ग्रामीण भारत में तेजी लाने के कदमों को सराहना की है। आइए जानते हैं कि बजट को लेकर उद्योग जगत की प्रतिक्रिया।

परिवारों की वित्तीय सुरक्षा बढ़ेगी: केंद्रीय बजट पर टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी अय्यर ने कहा कि वित्त मंत्री ने वित्तीय घाटे को 4.4% पर रखते हुए विकासोन्मुखी बजट पेश किया। मध्यम वर्ग को लक्षित व्यक्तिगत कर राहत में ₹ लाख करोड़ की भारी छूट, उपभोग को बढ़ावा देगी और परिवारों को अपनी वित्तीय सुरक्षा में निवेश करने में सक्षम बनाएगी।

फ़ोरविस मज़ार्स इन इंडिया से टेक के पार्थसारथी ने कहा कि बजट 2025-2026 में एआई और तकनीकी नवाचार पर सरकार का ध्यान भारत के डिजिटल परिदृश्य के लिए एक बड़ी छलांग का प्रतिनिधित्व करता है। ₹00 करोड़ के आवंटन के साथ शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना, एआई को शैक्षिक ढांचे में एकीकृत करने और प्रौद्योगिकी में भविष्य के नेताओं को आकार देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, कौशांबी के सीएमडी डॉ. पी.एन. अरोड़ा ने कहा कि बजट 2025-26 में सरकार ने हेल्थ सेक्टर को मजबूत करने के जो कदम उठाए हैं, हम उसकी सराहना करते हैं।

खासतौर पर, जिला अस्पतालों में 200 डे-केयर कैंसर सेंटर खोलने की घोषणा एक बड़ा फैसला है, जो कैंसर की जल्द पहचान और इलाज को आसान बनाएगा, खासकर दूर-दराज के इलाकों में। इसके अलावा, 36 ज़रूरी दवाओं पर कस्टम ड्यूटी छूट और कैंसर की दवाओं पर कम टैक्स से मरीजों के लिए इलाज सस्ता होगा। गौड़ ग्रुप के सीएमडी और क्रेडाई नेशनल के चेयरमैन, मनोज गौड़ ने कहा कि बजट 2025 दिखाता है कि सरकार अर्थव्यवस्था को बढ़ाने, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए गंभीर है। स्टार्ट-अप्स और रोजगार सृजन के लिए उठाए गए कदम, साथ ही आयकर स्लैब में की गई कटौती, इन उपायों से रियल एस्टेट क्षेत्र में पैसे की उपलब्धता बढ़ेगी और लोगों की घर खरीदने की इच्छा भी बढ़ेगी।

इनकम टैक्स में छूट से बढ़ेगी मांग: विकास गर्ग, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, गंगा रियल्टी ने कहा कि हम केंद्रीय बजट 2025 का स्वागत करते हैं जो रियल एस्टेट क्षेत्र, विशेष रूप से घर खरीदारों के लिए एक महत्वपूर्ण बढ़ावा लेकर आया है। मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए ₹2 लाख तक की आय पर कर छूट एक बड़ा बदलाव है। इससे लोगों की डिस्पोजेबल इनकम बढ़ेगी, जिससे पहली बार घर खरीदने वालों को प्रोत्साहन मिलेगा और घर खरीदना पहले से अधिक सुलभ होगा। सारांश त्रेहान, मैनेजिंग डायरेक्टर, त्रेहान ग्रुप ने कहा कि ₹2 लाख तक की आय पर कर माफी दी गई है। यह कदम डिस्पोजेबल आय में महत्वपूर्ण वृद्धि करेगा, जिससे पहली बार घर खरीदने वालों के लिए घर का मालिकाना हक प्राप्त करना अधिक संभव होगा। सरकार द्वारा अफोर्डेबल हाउसिंग पर लगातार जोर देना एक सही दिशा में कदम है। नाहर समूह की उपाध्यक्ष और मंजू यान्मिक ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 समावेशी विकास, आर्थिक विकास और खपत बढ़ाने पर रणनीतिक ध्यान देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। वित्त वर्ष 26 के लिए, वित्त मंत्री सीतारमण ने बुनियादी ढांचे के विकास और आर्थिक विकास पर सरकार के ध्यान की पुष्टि करते हुए ₹1.21 लाख करोड़ आवंटित किए हैं।

लिवलॉन्ग 365 के संस्थापक और सीईओ गौरव दुबे ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025 भारत के स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण वादा करता है, जिसमें प्रमुख घोषणाएं हैं जो स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र को नया रूप दे सकती हैं। भारत में पूरी तरह से निवेश करने वाले बीमाकर्ताओं के लिए एफडीआय सीमा को 100% तक बढ़ाना एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कदम से बीमा क्षेत्र में नई पूंजी आएगी और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा, जिससे अंततः किफायती स्वास्थ्य बीमा विकल्पों की सीमा का विस्तार करके उपभोक्ताओं को लाभ होगा। डॉ. आर.जी अग्रवाल, चेयरमैन एमेरिटस, धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने कहा कि हम भारत को दुनिया का खाद्यान्न भंडार बनाने की सरकार की पहल की बहुत सराहना करते हैं। 100 कम उत्पादकता वाले जिलों में 1.7 करोड़ किसानों के लिए धन धान्य कृषि योजना ग्रामीण समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। खाद्य तेल मिशन, किसानों को एजेंसियों के साथ खरीद समझौते करने में सक्षम बनाता है, मूल्य सुरक्षा प्रदान करेगा, घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ाएगा और भारत की निर्यात शक्ति को बढ़ाएगा। बढ़ती खपत से मेल खाने के लिए सब्जी उत्पादन बढ़ाने का सरकार का कदम भी सराहनीय है। नारेडको के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी हरि बाबू ने कहा, सरकार द्वारा पेश बजट की हम सराहना करते हैं, विशेष रूप से, सरकार ने एसडब्ल्यूऐएमआईएच फंड 2.0 के द्वारा एक अच्छा कदम उठाया है, जिसमें वित्तीय संकट के कारण पहले से अटकी आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त ₹5,000 करोड़ निर्धारित किए गए हैं। वर्तमान एसडब्ल्यूऐएमआईएच फंड योजना के तहत, ऐसी संकटग्रस्त परियोजनाओं में 50,000 आवासीय इकाइयां पूरी हो चुकी हैं, और 2025 में अतिरिक्त 40,000 इकाइयां पूरी होने वाली हैं। इस कदम से मध्यम वर्ग के परिवारों को सीधे लाभ होता है, जिनमें से कई लोग वैकल्पिक आवास के लिए किराया देने के साथ-साथ होम लोन की ईएमआई का भी भुगतान कर रहे हैं। आय कर की नई व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक की आय को कर से छूट देने का निर्णय मध्यम आय वर्ग के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन है, जो घर के स्वामित्व को और अधिक सुलभ बनाता है और आवास क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करता है। डॉ. नितेश कुमार एमडी और सीईओ इमामी रियल्टी लिमिटेड, ने कहा कि 2025 का बजट रियल एस्टेट सेक्टर को पुनर्जीवित करने में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर है। एसडब्ल्यूऐएमआईएच फंड के लिए बढ़ा हुआ आवंटन, साथ ही किफायती आवास पर तीव्र ध्यान, एक दूरदर्शी रणनीति है जो दबाव की जरूरतों को पूरा करती है।

बजट का मुख्य आकर्षण इंफ्रास्ट्रक्चर: डॉ. निरंजन हीरानंदानी, अध्यक्ष, नारेडको और हीरानंदानी समूह, ने कहा कि इस बजट का मुख्य आकर्षण बुनियादी ढांचे में सुधार पर इसका अटूट ध्यान है। विशेष रूप से, यह दूसरे फ्लैट की खरीद को प्रोत्साहित करता है, जिससे रियल एस्टेट निवेश को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, एसडब्ल्यूऐएमआईएच फंड 2.0 की शुरूआत रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा करके विवश घर खरीदारों पर बोझ कम करने का प्रयास करती है, जबकि ₹ लाख तक के किराए पर टीडीएस में बढ़ोतरी से किराये के निवेश को बढ़ावा मिलने का वादा किया गया है। विलय और अधिग्रहण में तेजी लाकर, बजट का उद्देश्य अभिनव व्यवसाय मॉडल के तहत नई रियल एस्टेट परियोजनाएं शुरू करना है। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्टता के नए केंद्रों की स्थापना के माध्यम से कौशल अंतर को संबोधित करने से प्रतिभा की बढ़ती खाई को पाटने में मदद मिलेगी।

इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा: एचएस भाटिया, प्रबंध निदेशक, देवू इंडिया ने कहा कि बजट घोषणाएं भारत की विकास गाथा को महत्वपूर्ण बढ़ावा देने वाली हैं। मध्यम वर्ग के लिए कर बोनस, 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले लोगों के लिए शून्य आयकर देयता के साथ, खर्च करने योग्य आय में वृद्धि होगी और खपत बढ़ेगी। लिथियम बैटरी को बेसिक कस्टम ड्यूटी से छूट से इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा। माईगोल्ड के संस्थापक अमोल बंसल ने कहा, बजट 2025-26 आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधारशिला रखता है, जिसमें कराधान, बुनियादी ढांचे और एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए समर्थन में सराहनीय सुधार शामिल हैं। व्यापार करने में आसानी, डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन पर ध्यान निस्संदेह उद्यमशीलता और आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देगा। एमएसएमई के लिए, बढ़ी हुई क्रेडिट गारंटी योजनाएँ और कर राहतें स्वागत योग्य कदम हैं, जो छोटे व्यवसायों को आगे बढ़ने में सक्षम बनाती हैं। डिजिटल लेन-देन और वित्तीय सुधारों के लिए निरंतर प्रयास भारत के आर्थिक ढांचे को और मजबूत करते हैं।

रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी: हीरो रियल्टी के सीईओ मधुर गुप्ता ने कहा कि सरकार के नवीनतम बजटीय आवंटन, विशेष रूप से ₹5,000 करोड़ का एसडब्ल्यूऐएमआईएच फंड 2, रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा करने और घर खरीदारों का विश्वास बहाल करके रियल एस्टेट क्षेत्र को बहुत ज़रूरी बढ़ावा देगा। ₹ लाख करोड़ का अर्बन चैलेंज फंड भविष्य के लिए तैयार शहरों को विकसित करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है, जो उन्हें जीवंत आर्थिक केंद्र बनाता है। इसके अतिरिक्त, PPP इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए ₹.5 लाख करोड़ का परिव्यय शहरी कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा और रियल एस्टेट की मांग को बढ़ाएगा। ये उपाय सामूहिक रूप से सेक्टर के विकास को मजबूत करते हैं और भारत के सतत शहरी विकास के दृष्टिकोण के साथ संरेखित होते हैं।"

मिड-इनकम हाउसिंग को बढ़ावा मिलेगा: मानिक मलिक, सीएफओ, बीपीटीपी ने कहा, "भारत में मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए, मिड-इनकम हाउसिंग के लिए विशेष विंडो के तहत 50,000 आवास इकाइयों का निर्माण और 2025 में अतिरिक्त 40,000 इकाइयों की अनुमानित डिलीवरी एक प्रमुख मील का पत्थर है। किराए और ईएमआई के संयुक्त वित्तीय तनाव को कम करके, ये पहल घर खरीदारों को अपना आत्मविश्वास हासिल करने में मदद करती हैं। इसके अलावा, ₹ लाख करोड़ का अर्बन चैलेंज फंड, जिसमें वित्त वर्ष 2025-2026 के लिए ₹0,000 करोड़ अलग रखे गए हैं, हमारे शहरों को विकास के जीवंत केंद्रों में बदलने की क्षमता रखता है। शहरी बुनियादी ढांचे में इस महत्वपूर्ण निवेश के परिणामस्वरूप शहर अधिक रहने योग्य और आकर्षक बनेंगे।"

रेलवे बजट में कुल 2,55,445 करोड़ रुपये का प्रावधान

नई दिल्ली.

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश कर दिया है। इस आम बजट में वित्त मंत्री ने अपने बजट में एक बार भी भारतीय रेलवे का जिक्र तक नहीं किया है। हालांकि उन्होंने भारतीय रेलवे के लिए वित्तीय वर्ष 2026 के लिए केंद्रीय बजट में रेलवे के लिए 2.55 लाख करोड़ का आवंटन किया है। ये राशि पिछले वित्तीय वर्ष (वित्तीय वर्ष 2025) के लिए आवंटित राशि के समान है। आम बजट में रेलवे को लेकर कोई नई घोषणा की बजाय पहले की घोषणाओं को पूरा करने पर जोर दिया गया है। दरअसल, वित्तमंत्री ने 2024 के आम बजट में रेलवे के लिए कुल बजटीय समर्थन 2,55,200 करोड़ रखा। यह वर्ष 2023-24 में 2,40,200 करोड़ से 5 प्रतिशत अधिक था। इसके अतिरिक्त वित्तमंत्री ने 10,000 करोड़ अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से आवंटित किए गए थे। जुलाई 2024 में वित्तमंत्री द्वारा पेश किए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई वंदे भारत ट्रेनों की घोषणा की थी। साथ ही यह भी कहा था कि भारत में तीन प्रमुख रेलवे आर्थिक गलियारे बनेंगे। इनमें ऊर्जा, खनिज और सीमेंट गलियारा, पोर्ट कनेक्टिविटी गलियारा और उच्च यातायात घनत्व वाला गलियारा शामिल होगा। रेलवे को बजट में 2.55 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इनमें राजस्व में 3445 करोड़ रुपये और कैपिटल एक्सपेंडिचर में 2,52,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस तरह रेलवे बजट में कुल 2,55,445 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। बजट में पेंशन फंड में 66 हजार करोड़ रुपये रखे गए हैं।

जबकि नई लाइनें बिछाने के लिए 32,235 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। लाइनों के दोहरीकरण में 32,000 करोड़ और गॉज लाइन में बदलने में 4,550 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। इसके अलावा आम बजट में रेलवे की सिग्नलिंग और टेलीकॉम के लिए 6800 करोड़, विद्युत लाइनों के लिए 6,150 करोड़ रुपये, स्टाफ कल्याण पर 833 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। रेलवे स्टाफ की ट्रेनिंग उद्देश्य के लिए 301 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वहीं रेलवे सेफ्टी फंड में 45 हजार करोड़ रुपये ट्रांसफर किए जाएंगे। रेलवे मंत्रालय रेल हादसों को कम करने के लिए खास कदम उठाने जा रहा है। इसके तहत देश के प्रमुख रेलवे रूट पर कचव का अपग्रेट वर्जन 4.0 लगाने का काम तेजी से किया जाएगा। हालांकि वित्त मंत्री ने बजट में इसे लेकर कोई भी नई घोषणा नहीं की है। लेकिन बजट आवंटन में पूर्व की घोषणाओं को पूरा करने पर जोर दिया गया है।

बजट पर प्रतिक्रिया...

नौ-सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली! मल्लिकार्जुन खड़गे

❑ **नई दिल्ली:** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया, लेकिन बजट को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है कि पूरा देश महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहा है, पर मोदी सरकार झूठी तारीफ बटोरने पर उतारू है. बजट पर खरगे ने कहा कि एक मुहावरा इस बजट पर बिलकुल सटीक बैठता है - नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली.

अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई उड़ान: मुख्यमंत्री योगी

❑ **लखनऊ:** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज देश की संसद में 2025-26 का अहम बजट पेश किया है। ये अहम बजट विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए उठाए गए ठोस कदमों की आधारशिला है। पीएम मोदी ने इसे ज्ञान का बजट बताकर चार अक्षरों में परिभाषित किया है। जी - का मतलब है गरीब, वाई - का मतलब है युवा, ऐ - का मतलब है अन्नदाता और एन - का मतलब है नारी शक्ति।'

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 10.5 सालों में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की एक प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ी है। इस बजट से अर्थव्यवस्था को एक नई उड़ान मिलेगी। राज्यों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान देने के लिए जो ब्याज मुक्त लोन देने का ऐलान किया गया है, मध्यम वर्ग को राहत देते हुए टैक्स की रिबेट में जो छूट देने का ऐलान किया गया है, यह सब स्वागत योग्य है।'

सभी वर्गों का ख्याल रखा गया: एकनाथ शिंदे

❑ **मुंबई:** महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने केंद्र सरकार की ओर से पेश बजट की जमकर तारीफ की है. उन्होंने दावा करते हुए कहा है ये जनता का बजट है और इससे किसानों, युवाओं और महिलाओं को फायदा पहुंचेगा. इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्हें निराशावाद छोड़कर इस बजट का स्वागत करना चाहिए.

तेजस्वी: बजट के नाम पर बिहार को मिला है ठेंगा

❑ **हाजीपुर:** केंद्र सरकार के बजट को विपक्ष ने गरीब विरोधी बताया है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने केंद्र की आलोचना करते हुए कहा कि बजट के नाम पर बिहार को ठेंगा मिला है। बजट में बिहार के साथ सौतेला व्यवहार हुआ है। केंद्र सरकार ने गांव, ग्रामीण और गरीब विरोधी बजट पेश किया है। तेजस्वी ने कहा कि सरकार ने पिछले बजट को ही दोहराने का काम किया है, कुछ नया नहीं है।

सरकार ने एक संतुलित बजट पेश किया

रवि सक्सेना, को-फाउंडर और सीईओ, वंडरशेफ ने कहा कि इस वैश्विक अनिश्चितता के समय में सरकार ने एक संतुलित लेकिन प्रभावी बजट पेश किया है। व्यापार को आसान बनाने के लिए प्रक्रियात्मक और नियामक सुधारों पर विशेष ध्यान दिया गया है। पिछले कुछ वर्षों से धीमी पड़ी सार्वजनिक-निजी भागीदारी को फिर से प्राथमिकता दी गई है। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में 10% की वृद्धि की गई है, जो पिछले साल की तरह ही है, लेकिन इसे बेहतर तरीके से लागू करने के लिए अन्य महत्वपूर्ण कदम भी उठाए गए हैं। मध्यम वर्ग को दी गई राहत काफी बड़ी है, जिससे उनकी खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी, जो इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

मानसुम सीनियर लिविंग से अनंतराम ने कहा कि आयकर स्लैब को बढ़ाकर ₹२ लाख कर दिया गया है, जिससे अधिक डिस्पोजेबल आय होगी, जिससे खर्च और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। ₹ लाख की सीमा दोगुनी होने से वरिष्ठ नागरिकों को लाभ होगा, जिससे उनकी खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी। कर्मचारियों के लिए उच्च कर योग्य आय स्लैब भी रोजगार वृद्धि को बढ़ावा देगा। इसके अतिरिक्त, किराये की आय के लिए टीडीएस स्लैब में वृद्धि से मकान मालिकों, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को लाभ होगा, जिससे उन्हें अपने किराए के अपार्टमेंट के माध्यम से अधिक खर्च करने योग्य आय मिलेगी। विदेशी टूर टैक्स स्लैब भी ₹ लाख से बढ़कर ₹0 लाख हो गया है, जिससे शिक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा।

डॉ. प्रवीण गुप्ता, प्रिंसिपल डायरेक्टर और चीफ ऑफ न्यूरोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पिटल ने कहा कि सरकार ने इस बार के बजट में जीवन रक्षक दवाओं पर छूट और दरों में कटौती के साथ सीमा शुल्क को जो तर्कसंगत बनाने का फैसला किया है वह निश्चित रूप से सराहनीय है। खास तौर पर दुर्लभ बीमारियों के लिए यह एक बहुत ही स्वागत योग्य कदम है। इससे मरीजों और संस्थानों के लिए उन्नत उपचार अधिक सुलभ हो जाएंगे, जिससे वित्तीय बोझ कम होगा। इसके अलावा जिला अस्पतालों में 200 डेकेयर कैंसर केंद्रों की घोषणा से वंचित क्षेत्रों में कैंसर देखभाल की पहुंच में काफी सुधार होगा। हम इस साल अतिरिक्त 10,000 सीटों और पांच साल में 75,000 सीटों के लक्ष्य के साथ चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की भी सराहना करते हैं, जो न्यूरोलॉजी और अन्य महत्वपूर्ण विशेषताओं में प्रशिक्षित पेशेवरों की बढ़ती जरूरत को पूरा करता है।

पुरानी टैक्स व्यवस्था को खत्म कर दिया जाएगा ?

नई दिल्ली. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में देश का बजट पेश किया। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश किए गए इस बजट में कई अहम और बड़े ऐलान किए गए। इस बजट में, खासतौर पर मिडल क्लास और किसानों का खास ध्यान रखा गया है। सरकार ने नई टैक्स व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक की इनकम को पूरी तरह से टैक्स फ्री करने का ऐलान कर दिया। लेकिन, पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत किसी तरह का कोई ऐलान नहीं हुआ। ऐसे में अब ये एक बड़ा सवाल उठ रहा है कि क्या सरकार पुरानी टैक्स व्यवस्था को खत्म करने का विचार बना रही है? वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करने के बाद आयोजित की गई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ओल्ड टैक्स रिजीम को लेकर उठ रहे बड़े सवाल पर सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा, देशभर के 75 प्रतिशत टैक्सपेयर पहले ही पुरानी टैक्स व्यवस्था को छोड़कर नई टैक्स व्यवस्था में आ गए हैं। हमें उम्मीद है कि धीरे-धीरे सभी टैक्सपेयर पुरानी टैक्स व्यवस्था को छोड़कर नई टैक्स व्यवस्था में आ जाएंगे। निर्मला सीतारमण ने ओल्ड टैक्स रिजीम को खत्म करने की बात नहीं कही। लेकिन उनकी बातों से साफ है कि सरकार पुरानी टैक्स व्यवस्था को खत्म करने पर फिलहाल कोई विचार नहीं कर रही है। दिग्गज टैक्स एक्सपर्ट और सीए बलवंत जैन ने इंडिया टीवी को बताया कि न्यू टैक्स रिजीम एक बेहतर कदम है, जिनकी आय 12 लाख रुपये तक है, उनके लिए अब सोचने की जरूरत नहीं है। अब ऐसे लोग टैक्स बचाने के लिए इंवेस्टमेंट की टेंशन लिए बगैर नई टैक्स रिजीम को चुन सकते हैं। उन्होंने कहा, ''अगर किसी व्यक्ति के मन में ये सवाल है कि होम लोन पर मिलने वाली टैक्स छूट कम हो जाएगी, तो मेरा उनसे कहना है कि हम रहने के लिए घर खरीदते हैं, टैक्स बचाने के लिए नहीं। उन्होंने टैक्स के लिहाज से इस बजट को 10 में से 8 नंबर दिए।

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, रविवार, 2 फरवरी 2025 | अंक 111/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

12 लाख तक टैक्स नहीं

निर्मला सीतारमण ने बजट में मिडिल क्लास, किसानों, युवाओं के लिए तमाम बड़े ऐलान किए

किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 5 लाख

नई दिल्ली. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने केंद्रीय बजट 2025 भाषण के दौरान घोषणा की कि 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई आयकर नहीं देना होगा, जिससे करदाताओं खासकर मध्यम वर्ग को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि वेतनभोगी करदाताओं के लिए यह सीमा 75,000 रुपये की मानक कटौती के साथ 12.75 लाख रुपये होगी। उन्होंने यह भी कहा कि नई आयकर व्यवस्था सरल होगी, जिसमें मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वेतनभोगी करदाताओं के लिए यह सीमा 75,000 रुपये की मानक कटौती के साथ 12.75 लाख रुपये होगी। उन्होंने यह भी कहा कि नई आयकर व्यवस्था सरल होगी, जिसमें मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। लेकिन यह छूट केवल तभी प्राप्त की जा सकती है जब करदाता आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत छूट लेता है, जैसे धारा 80 सीसीसी के तहत 1.5 लाख रुपये की छूट, गृह ऋण पर ब्याज भुगतान के लिए 1.5 लाख रुपये की छूट।

नए टैक्स स्लैब के तहत 4 लाख रुपये तक की आय वालों को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर कोई टैक्स नहीं देना होगा। नई व्यवस्था में 12 लाख रुपये की आय वाले करदाता को 80,000 रुपये का टैक्स लाभ मिलेगा। 18 लाख रुपये की आय वाले व्यक्ति को 70,000 रुपये का टैक्स लाभ मिलेगा। 25 लाख रुपये की आय वाले व्यक्ति को नए टैक्स स्लैब के तहत 1,10,000 रुपये का लाभ मिलेगा।

सीनियर सिटीजन के लिए ऐलान...

इस बजट में आईटीआर और टीडीएस की सीमा बढ़ाई गई है। टीडीएस की सीमा बढ़ाकर 10 लाख की गई है। टैक्स डिडक्शन में बुजुर्गों के लिए बड़ा ऐलान किया गया है। चार साल तक रिटर्न भर सकेंगे। सीनियर सिटीजन को टैक्स पर छूट दोगुनी की गई है। छूट को 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख किया गया है।

गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं को वित्त मंत्री का खास तोहफा

2025 के बजट में प्रस्तावित विकासात्मक उपायों का उद्देश्य देश के गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के उत्थान के लिए काम करना है। वित्त मंत्री ने इस बजट में 10 प्रमुख क्षेत्रों पर जोर देने का जिक्र किया, जिनमें हर क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए विशेष योजनाओं का प्रस्ताव किया गया है। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने महिलाओं और एससी / एसटी (आदिवासी एवं अनुसूचित जाति) के साथ-साथ पिछड़े वर्गों से पहले बार उद्यमिता में कदम रखने वालों के लिए 2 करोड़ रुपये तक के टर्म लोन का ऐलान किया है।

कैंसर की दवाएं भी सस्ती हो गई हैं

"वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को केंद्रीय बजट पेश किया. इसी के साथ उन्होंने लगातार 8वां बजट पेश करने का रिकॉर्ड बनाया. बजट में मिडिल क्लास के लिए वित्त मंत्री ने बड़ा ऐलान किया. अब 12 लाख रुपये तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा. इस ऐलान का फायदा देश के करीब 10 करोड़ लोगों को होगा. इसके अलावा किसानों के क्रेडिट कार्ड की लिमिट भी 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दी गई है. बुजुर्गों को टैक्स में मिलने वाली छूट को भी 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया गया."

प्रधानमंत्री धनधान्य योजना

वित्त मंत्री ने बजट में किसानों के लिए 'प्रधानमंत्री धनधान्य योजना' की घोषणा की है। राज्यों के साथ सरकार ये योजना चलाएगी। 1.7 करोड़ किसानों को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि गरीब, युवा, महिला, किसानों की बेहतरी पर फोकस रहेगा। फार्म ग्रोथ, ग्रामीण विकास, मैन्युफैक्चरिंग पर ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही फाइनेंशियल सेक्टर के रिफॉर्म पर ध्यान देंगे। 100 जिलों में धन धान्य योजना की शुरुआत हो रही है। वहीं, किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़कर 5 लाख कर दी गई है।

रक्षा बजट, जानें डिफेंस को कितने रुपये आवंटित हुए

केंद्रीय बजट 2025 में भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए 6.8 लाख करोड़ रुपये के बजट का ऐलान किया गया है। केंद्रीय बजट 2025 में रक्षा यानी डिफेंस क्षेत्र के लिए कुल 6.8 लाख करोड़ रुपये के बजट का ऐलान किया गया है। जानकारी के मुताबिक, ये बजट अनुमानित जीडीपी का 1.91 प्रतिशत है। 6.8 लाख करोड़ रुपये के रक्षा बजट में 1.8 लाख करोड़ रुपये कैपिटल बजट के लिए रखा गया है। बता दें कि इस रकम से नए हथियार, विमान, युद्धपोत और अन्य सैन्य साजोसामान खरीदे जाएंगे। केंद्रीय बजट 2025-26 में रक्षा मंत्रालय के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है। इसमें 9.53% की वृद्धि हुई है। सशस्त्र बलों के पूंजीगत बजट के तहत 1.80 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। बजट में सेना का आधुनिकीकरण एक प्रमुख फोकस क्षेत्र है। घरेलू उद्योगों से खरीद के लिए 1.12 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। रक्षा पेंशन के लिए आवंटन में 14% की वृद्धि की गई है। ईसीएचएस के लिए 8,317 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट में 12% की बढ़ोतरी की गई है। आईसीजी के कैपिटल बजट में 43% की महत्वपूर्ण बढ़त हुई है। कैपिटल हेड के तहत बीआरओ को 7,146 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

किसानों से लेकर मिडिल क्लास सबकी बल्ले-बल्ले, बजट की 10 बड़ी बातें

वित्त मंत्री ने कई बड़े चौंकाने वाले ऐलान किए। ये बजट मिडिल क्लास को खुश कर देने वाला बताया जा रहा है। बजट में 12 लाख रुपये की सालाना इंकम को टैक्स फ्री कर दिया गया है। इसके साथ ही किसानों को दिए गए क्रेडिट कार्ड की लोन सीमा भी बढ़ा दी गई है। आइये जानतें है आज के बजट की 10 बड़ी बातें, जो सीधे तौर पर जनता को फायदा पहुंचाएंगी।

1) वित्त मंत्री ने उभरते उद्यमियों के वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ स्टार्टअप के लिए 'फंड ऑफ फंड्स' योजना के एक और दौर की घोषणा की। यह घोषणा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार स्टार्टअप के माध्यम से इनोवेशन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सरकार ने उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने अब तक 1.5 लाख से अधिक स्टार्टअप को मान्यता दी है।

2) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई कर व्यवस्था में कर छूट के साथ आयकर स्लैब में बदलावों की शनिवार को घोषणा की है। वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करते हुए उन्होंने 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को पूरी तरह से कर मुक्त किए जाने की घोषणा की। इससे 80 हजार रुपये की बचत होगी।

3) केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किसी भी आकलन वर्ष के लिए अद्यतन आयकर रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाने की घोषणा की है। आईटीआर दाखिल करने की समयसीमा को मौजूदा दो साल से बढ़ाकर चार साल करने का प्रस्ताव वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में रखा गया है।

4) बजट के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि सरकार पांच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में अतिरिक्त बुनियादी ढांचा का निर्माण करेगी। बिहार की राजधानी पटना स्थित आईआईटी का विस्तार किया जाएगा। आईआईटी पटना में छात्रावास और अन्य बुनियादी ढांचे की क्षमता का भी विस्तार किया जाएगा।'

5) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में आवास परियोजनाओं में एक लाख इकाइयों को पूरा करने के लिए 15,000 करोड़ रुपये के नए 'स्वामी' कोष की घोषणा की है। इस योजना का उद्देश्य उन घर खरीदारों को राहत देना है, जिनके निवेश अटके हुए हैं।

6) सरकार ने हैंडिक्राफ्ट्स निर्यात की समय सीमा को छह महीने से बढ़ाकर एक साल कर दिया है। इसके लिए तीन महीने की समय सीमा और बढ़ाई गई है। इसमें वेट ब्लू लैदर को बेसिक कस्टम्स ड्यूटी से पूर्णत: करमुक्त किया गया है।

7) आम लोगों और छोटे व्यवसायी के साथ ही सरकार ने किसानों को भी बड़ी खुशखबरी दी है। बजट के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किसान क्रेडिट कार्ड के लिए ब्याज सहायता योजना की सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है। इससे किसानों को अपनी फसल बोने के लिए बैंक से ज्यादा लोन मिल सकेगा।

8) बजट में सरकार ने बताया कि बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्यों को 50 साल के ब्याज-मुक्त ऋण के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए जाएंगे। सीतारमण ने लोकसभा में केंद्रीय बजट 2025-26 को पेश करते हुए कहा कि 2021 में घोषित पहली परिसंपत्ति मौद्रीकरण योजना की कामयाबी के बाद 2025-30 की अवधि के लिए दूसरी योजना शुरू की जाएगी।

9) वित्त मंत्री ने बजट पेश करते हुए स्मार्ट फोन और मोबाइल फोन पर कस्टम ड्यूटी घटाने का ऐलान किया है। इसका सबसे बड़ा असर भारत में मैन्युफैक्चर होने वाले मोबाइल फोन और स्मार्ट टीवी की लागत पर पड़ेगा। कस्टम ड्यूटी घटने से मोबाइल फोन और स्मार्ट टीवी की कीमतों में भी गिरावट आएगी।

10) सरकार ने एमएसएमई के क्षेत्र को लेकर बड़ा ऐलान किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि एमएसएमई में उच्च दक्षता, तकनीकी अपग्रेड और पूंजी तक बेहतर पहुंच प्राप्त करने में मदद करने के लिए सभी एमएसएमई के वर्गीकरण के लिए निवेश और टर्नओवर सीमा को क्रमशः 2.5 और 2 गुना तक बढ़ाया जाएगा। इससे उन्हें आगे बढ़ने और युवाओं के लिए बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होगा।

खेल बजट में बढ़ोत्तरी

वित्त मंत्री ने खेलों के लिए भी बजट में खजाना खोल दिया और पिछली बार से खेल बजट 350 करोड़ रुपए तक बढ़ा है। खेल बजट का सबसे बड़ा हिस्सा 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम को मिला है। खेलो इंडिया' को हुआ खूब फायदा, जमीनी स्तर पर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की खोज और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रमुख योजना 'खेलो इंडिया' को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट में सबसे ज्यादा फायदा हुआ। खेलों के लिए आवंटन में 351.98 करोड़ रुपए की भारी बढ़ोतरी की घोषणा की गई है जिसका सबसे बड़ा हिस्सा खेलो इंडिया कार्यक्रम को मिलेगा। इस अहम योजना को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह 2024-25 के 800 करोड़ रुपए के अनुदान से 200 करोड़ रुपए अधिक है।

बजट में क्या हुआ सस्ता

इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां, 36 जीवनरक्षक दवाएं, कैंसर की दवाएं, इलेक्ट्रिक गाड़ी, मोबाइल फोन, मोबाइल बैटरी, फिश पेस्ट, लेदर गुड्स, एलईडी टीवी.

क्या हुआ महंगा

फ्लैट पैनल डिस्प्ले, टीवी डिस्प्ले, फैबरिक.

दवाओं पर कस्टम ड्यूटी की कम

सरकार ने दवाओं पर कस्टम ड्यूटी कम की है. इससे कैंसर की दवाएं शामिल हैं. कैंसर और गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों के लिए 56 दवाओं पर कस्टम ड्यूटी हटाई जाएगी.

- कैंसर और गंभीर बीमारियों की दवा भी होगी सस्ती: सरकार ने 36 जीवनरक्षक दवाओं को बेसिक कस्टम ड्यूटी से पूरी तरह छूट देने का ऐलान किया है. इसका फायदा उन मरीजों को मिलेगा जो कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों की दवाएं खरीदते हैं.
- इलेक्ट्रॉनिक सामान सस्ता: वित्त मंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी 5% करने की बात कही है. खासकर टीवी और मोबाइल फोन के ओपन सेल और अन्य कंपोनेंट्स पर बेसिक कस्टम ड्यूटी में कमी की गई है, जिससे इनके दाम घट सकते हैं.
- ये वस्तु भी होंगे सस्ते: सरकार ने कोबाल्ट पाउडर, लिथियम-आयन बैटरी के स्क्रैप, लीड, जिंक और अन्य 12 खनिजों को भी बेसिक कस्टम ड्यूटी से छूट देने का ऐलान किया है. इससे बैटरी और खनिज बेस प्रोडक्ट की कीमतों में कमी आएगी.
- लेदर गुड्स पर हटाई: सरकार ने बजट में ब्ल्यू लेदर पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी है. इससे पर्स और लेदर से बने प्रोडक्ट्स सस्ते हो जाएंगे.
- फिश पेस्ट: फ्रोजन फिश पेस्ट सुरमई पर बेसिक कस्टम ड्यूटी 30 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया है. ये मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट होने वाले प्रोडक्ट पर लागू होगा.
- गोल्ड और सिल्वर की कीमतों पर नहीं होगा असर: 2024 के बजट में सोने और चांदी पर कस्टम ड्यूटी को 6% तक घटाने का प्रस्ताव रखा गया था. हालांकि इस बजट में कोई बदलाव नहीं किया गया है. ऐसे में सोना और चांदी के दाम में कोई बदलाव नहीं होगा.
- क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ी: वित्त मंत्री ने किसानों को तोहफा देते हुए किसान क्रेडिट कार्ड के तहत लोन लिमिट को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है. यानी कि किसान 3 लाख की जगह 5 लाख रुपये तक का लोन ले सकते हैं.

मोबाइल, एलईडी टीवी, कपड़ा और ईवी होंगे सस्ते

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025-26 पेश करते हुए कई वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी में कटौती की घोषणा की है, जिससे कुछ चीजों के दाम कम होने की उम्मीद है. खासतौर पर इलैक्ट्रॉनिक्स, दवाइयों और इलेक्ट्रिक गाड़ियों से जुड़ी वस्तुएं अब सस्ती हो जाएंगी.

एक पथप्रदर्शक बजट: सीएम फडणवीस

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शानदार बजट पेश किया है। इसे ड्रीम बजट कहा जा सकता है, खास तौर पर मध्यम वर्ग के लिए। उन्होंने ऐसा बजट पेश किया, इसलिए मैं उन्हें बधाई देता हूं। आयकर छूट स्लैब में बदलाव किया गया है और आयकर छूट को बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया है। यह घोषणा भारत की अर्थव्यवस्था में मील का पत्थर साबित होगी। इससे लोगों के बड़े वर्ग के हाथ में खर्च करने लायक आय होगी, खरीदारी होगी, मांग बढ़ेगी और एमएसएमई को फायदा होगा, रोजगार पैदा होगा। इसलिए, अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिलेगा। कृषि क्षेत्र में कई योजनाओं की घोषणा की गई है। आज कई योजनाओं की घोषणा की गई। मेरा मानना है कि यह एक पथप्रदर्शक बजट है। यह 21वीं सदी में एक नई राह दिखाने वाला बजट है।'

आत्मनिर्भर भारत का रोडमैप: अमित शाह

बजट 2025 पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- 'बजट-2025 विकसित और हर क्षेत्र में श्रेष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में मोदी सरकार की दूरदर्शिता का ब्लूप्रिंट है। किसान, गरीब, मध्यम वर्ग, महिला और बच्चों की शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य से लेकर हर क्षेत्र को समाहित करता यह बजट पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत का रोडमैप है। इस सर्वसमावेशी और दूरदर्शी बजट के लिए प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को को बधाई देता हूँ।'

गोली के घाव पर मरहम पट्टी: राहुल गांधी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बजट को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया है। 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'गोली लगने के घाव के लिए एक मरहम पट्टी!' उन्होंने आरोप लगाया कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच, हमारे आर्थिक संकट को हल करने के लिए एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता है, लेकिन यह सरकार विचारों को लेकर दिवालिया है। वहीं कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बजट भारत की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कुछ नहीं करेगा। सरकार ने समाज के गरीबों और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लिए कोई दृष्टिकोण या राहत नहीं होने के कारण खोखले नारे देकर जनता को धोखा देने की कोशिश की है।'

बिहार के विकास को मिलेगी गति: नीतीश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य है। केन्द्र सरकार का यह बजट प्रगतिशील एवं भविष्योन्मुखी है। इस बजट के माध्यम से केन्द्र सरकार द्वारा देश के विकास की गति को और बढ़ाने के लिये कई कदम उठाये गये हैं। बजट में बिहार के लिये जो घोषणाएं की गई हैं, उनसे बिहार के विकास को और गति मिलेगी। मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन में सुधार के लिए राज्य में मखाना बोर्ड की स्थापना से मखाना किसानों को लाभ मिलेगा।

पीएम नरेंद्र मोदी

आम आदमी की जेब भरने वाला है बजट

पीएम नरेंद्र मोदी ने बजट को लेकर कहा कि यह बजह एक फोर्स मल्टिप्लायर है। यह बजट सेविंग्स, निवेश, ग्रोथ और कंजंप्शन को बढ़ाएगा। मैं वित्तमंत्री: निर्मला सीतारमण और उनकी पूरी टीम को जनता जनार्दन का बजट, इसके लिए बहुत बहुत बधाई देता हूं। आमतौर पर बजट का फोकस इस बात पर रहता है कि सरकार का खजाना कैसे भरेगा। लेकिन ये बजट उससे बिल्कुल उल्टा है। लेकिन यह बजट देश के नागरिकों की जेब कैसे भरेगी और उनकी बचत कैसे बढ़ेगी, ये बजट इसकी बहुत मजबूत नींव रखता है।

बजट इकोनॉमी को बढ़ावा देने वाला: नितिन गडकरी

बजट में सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को 2.87 लाख करोड़ रुपया आवंटित किया गया. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, ये बजट हमारे इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए है. हमेशा की तरह इस बार भी उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को प्राथमिकता दी है, जिससे रोड सेक्टर में इसका फायदा होगा. बजट में कृषि क्षेत्र को भी प्राथमिकता दी गई है. आयकर सुधार से मध्यम वर्ग के लोगों को बड़ा फायदा होगा.

शेष पेज 2 पर

आईसीसी के बाद बीसीसीआय अवॉर्ड में भी जसप्रीत बुमराह की धूम

> पॉली उमरीगर अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली.

"जसप्रीत बुमराह को पिछले साल शानदार प्रदर्शन करने के लिए बीसीसीआय ने बड़े अवॉर्ड से नवाजा है। बुमराह बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर बने हैं। बीसीसीआय ने उन्हें पॉली उमरीगर अवॉर्ड से सम्मानित किया है।"

साल 2024 भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नाम रहा। टेस्ट हो या टी 20, दोनों ही फॉर्मेट में बुमराह ने कहर बरपाया। बुमराह की शानदार गेंदबाजी की बदौलत ही टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीतने में कामयाब रही। इसके बाद बुमराह ने टेस्ट में भी जलवा बिखेरा। पूरे साल टेस्ट में गेंद से कहर बरपाने के बाद बुमराह ने साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी कमाल दिखाया और सबसे ज्यादा विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द सीरीज बने। उन्होंने 5 मैचों में कुल 32 विकेट अपने नाम किए। साल 2024 में बुमराह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। इस प्रदर्शन के लिए क्रिकेट की सर्वोच्च

संस्था आईसीसी ने बुमराह को टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर के साथ-साथ क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से भी नवाजा। आईसीसी अवॉर्ड में जलवा बिखेरने के बाद बुमराह ने बीसीसीआय अवॉर्ड में भी धूम मचा दी है।

दरअसल, बीसीसीआय ने बुमराह को पॉली उमरीगर अवॉर्ड से नवाजा है। बुमराह को मेन्स कैटेगिरी में 2023-24 के सर्वश्रेष्ठ इंटरनेशनल क्रिकेटर के लिए यह बड़ा अवॉर्ड दिया गया है। बुमराह ने पिछले साल भारत के लिए बेहतरीन गेंदबाजी की। बुमराह ने अपनी वर्ल्ड क्लास गेंदबाजी से टीम इंडिया को कई मैच जिताने में अहम रोल अदा किया। इंग्लैंड और बांग्लादेश के खिलाफ भारत को घरेलू सीरीज जिताने में अपनी पूरी ताकत झोंकी। इसके बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी गेंदबाजी को लोहा मनवाया। यही वजह है कि बुमराह का आईसीसी और बीसीसीआय दोनों अवॉर्ड्स में डंका बज रहा है।

भारत-इंग्लैंड एक दिवसीय मैच के लिए विशेष बस सेवा

नागपुर. 6 फरवरी को वसीसीए स्टेडियम, जामठा में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जाने वाले एक दिवसीय मुकाबले के दिन नागपुर शहर में यातायात जाम से बचने के लिए महानगरपालिका ने विशेष इंतजाम किए हैं। इस अवसर पर, शहरवासियों और बाहर से आने वाले दर्शकों के लिए विशेष बस सेवा का आयोजन किया गया है। परिवहन विभाग और मनपा द्वारा यह बस सेवा शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों से जामठा स्टेडियम तक उपलब्ध कराई जाएगी। पंचशिल चौक और सिताबर्डी से जामठा स्टेडियम के लिए बसें सुबह 9 बजे से लेकर रात तक 15 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। इन बसों की सवारी नियमित तिकीट दरों पर की जा सकेगी।

इसके अलावा, स्टेडियम क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को ध्यान में

रखते हुए, दर्शकों को ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा दी गई है। दर्शक चलो ऐप के माध्यम से मैच से एक दिन पहले और मैच के दिन अपनी बस टिकट बुक कर सकते हैं। बुक किए गए टिकट को वे किसी भी बस में कंडक्टर को दिखाकर यात्रा कर सकते हैं। जामठा टी-पॉइंट के पास स्पॉट टिकट बुकिंग की भी व्यवस्था की गई है ताकि यात्रियों को कोई परेशानी न हो। साथ ही, सिताबर्डी से वाड़ी, कोराडी, काटोल नाका, कामठी और पारडी जैसे प्रमुख स्थानों के लिए रात के समय अतिरिक्त बसे भी उपलब्ध कराई जाएंगी।दर्शकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शहर की बस सेवा का उपयोग करें ताकि ट्रैफिक जाम से बचा जा सके और वे समय पर मैच स्थल तक पहुँच सकें। मैच के लिए नागपुर महानगरपालिका के आयुक्त डॉ.अभिजीत चौधरी (भाप्रसे) ने बस सुविधाओं के लिए एक विशेष कक्ष स्थापित किया है। यदि किसी भी प्रकार की बस सेवा संबंधित कोई समस्या उत्पन्न होती है, तो दर्शक नीचे दिए गए संपर्क नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं. सचिन गाडबैल (मो. 7709955055), प्रविण सरोदे (मो. 9765978406) इन नंबरों पर संपर्क कर बस सेवा संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या का समाधान प्राप्त किया जा सकता है।

रणजी ट्रॉफी मैच रोमांचक स्थिति में, विदर्भ को जीत कायम रखने चाहिए 9 विकेट

नागपुर.

करुण नायर के शतक से रणजी ट्रॉफी मैच रोमांचक स्थिति में पहुंच गया है विदर्भ हैदराबाद को जीत के लिए चाहिए 197 रन और उसके पास 9 विकेट सुरक्षित है रणजी ट्रॉफी में करुण नायर इस सीजन का अपना दूसरा शतक लगाया, जिसकी बदौलत विदर्भ ने हैदराबाद के खिलाफ दूसरी पारी में 355 रन बनाए। वीसीए के सिविल लाइंस स्टेडियम में खेले जा रहे चार दिवसीय एलीट ग्रुप बी लीग मैच के तीसरे दिन खेल समाप्त होने पर हैदराबाद ने जीत के लिए 220 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 1 विकेट खोकर 23 रन बना लिए है। अंतिम दिन जीत के लिए 197 रनों की जरूरत है। इससे पहले विदर्भ ने 56/2 के स्कोर पर अपनी दूसरी पारी शुरू की, लेकिन दानिश मालेवार (3) को सस्ते में आउट कर दिया। अथर्व तायडे (93) और करुण नायर के बीच चौथे विकेट के लिए 124 रनों की शानदार साझेदारी की । तायडे दुर्भाग्यशाली रहे और अपना शतक बनाने से चूक गए, लेकिन नायर ने

हर्ष दुबे के साथ मिलकर शानदार बल्लेबाजी की, जिनके साथ उन्होंने 51 रन जोड़े। नायर ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना 21वां शतक 193 गेंदों पर 14 चौकों और एक छक्के की मदद से बनाया। दुबे और पार्थ रेखाड़े ने आठवें विकेट के लिए 59 रन जोड़कर विदर्भ की बढ़त को और मजबूत किया। हैदराबाद को बड़ा झटका तब लगा जब उसने अपने शानदार ओपनर तन्मय अग्रवाल को खो दिया, जिन्हें यश ठाकुर ने आउट किया। अंतिम दिन का खेल दिलचस्प होने वाला है, जिसमें विदर्भ जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगा। हालांकि, इस मैच का नतीजा चाहे जो भी हो, विदर्भ का ग्रुप तालिका में शीर्ष पर रहना तय है और क्वार्टर फाइनल में उसका मुकाबला तमिलनाडु से होगा। संक्षिप्त स्कोर विदर्भ पहली पारी 55.5 ओवर में 190 रन (पार्थ रेखाड़े 23, अक्षय वाडकर 29, हर्ष दुबे 65; रक्षणन 3/29, अनिकेत रेड्डी 3/64) हैदराबाद पहली पारी 91.4 ओवर में 326 रन (तन्मय अग्रवाल 136, सी.वी. मिलिंद 38, हिमतेजा 31; यश ठाकुर 3/80, अक्षय वखारे 2/62, पार्थ रेखाड़े 2/51, हर्ष दुबे 2/57) विदर्भ दूसरी पारी 95.2 ओवर में 355 रन (अथर्व तायडे 93, करुण नायर 105, हर्ष दुबे 55, पार्थ रेखाड़े 31; सिराज 3/59, सी.वी. मिलिंद 2/41) हैदराबाद दूसरी पारी 6 ओवर में 23/1 हैदराबाद को जीत के लिए 197 रन चाहिए.

4 साल बाद घरेलू सत्र में शिवम की वापसी

नई दिल्ली. ऑफ स्पिनर शिवम शर्मा के शानदार 5 विकेट की बदौलत दिल्ली ने रेलवे को पारी और 19 रन से हराकर शनिवार को अरुण जेटली स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप-डी लीग चरण का अपना अंतिम मैच जीत लिया। हालांकि दिल्ली को अपने घरेलू मैदान पर शानदार जीत के साथ बोनस अंक मिला, लेकिन यह रणजी ट्रॉफी नॉकआउट में प्रवेश करने के लिए पर्याप्त नहीं था। एक ऐसी पिच पर जहां गेंद नीचे रह रही थी, दिल्ली ने तीन दिनों के भीतर जीत हासिल की। इसका श्रेय शिवम शर्मा के शानदार गेंदबाजी और रेलवे के बल्लेबाजों के शॉट चयन को जाता है। लगभग 4 साल बाद घरेलू सत्र में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी करते हुए शिवम शर्मा ने 11 ओवर में 33 रन देकर 5 विकेट झटके। यह शिवम का रेड बॉल क्रिकेट में तीसरा पांच विकेट था। उनकी शानदार गेंदबाज की वजह से रेलवे अपनी दूसरी पारी के 30.5 ओवर में 114 रन पर ढेर हो गई।

इससे पहले सुबह 334/7 के स्कोर से दिल्ली की पारी को बढ़ाते हुए सुमित माथुर ने बाउंड्री के साथ 80 रन पूरे किए, जिसमें सिद्धांत शर्मा ने उनका अच्छा साथ दिया।

साईं बाबा व अन्य टीमें भी पहुंचीं क्वार्टर फाइनल में

नागपुर,

साईं बाबा XI, साईं बाबा XI, प्रतीक XI, शिव शक्ति XI ने कड़बी चौक स्थित मेकोसाबाग मेथोडिस्ट स्कूल ग्राउंड में चल रहे RPCL सीजन 9 के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इस मीट का आयोजन रॉयल क्रिकेट एसोसिएशन, डॉ. संदीप शिंदे के बाबूजी फाउंडेशन और हाजियानी जुबेदा अब्दुल रज्जाक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

रोशन ने 20 गेंदों में 42 रन बनाए, जिससे साईं बाबा XI ने रेस्ट ऑफ सदर के खिलाफ आठ ओवर में 111-8 का स्कोर बनाया। मोहनीश निनावे (20) और अमनदीप सिंह (26) अन्य रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

जवाब में रेस्ट ऑफ सदर 93-8 पर सिमट गया।

संदीप रावत ने 39 रन बनाए, जबकि रॉकी ने 17 रन का योगदान दिया।

साईं बाबा XI के लिए नीलेश

चिचघरे ने चार विकेट लिए।

एक अन्य मैच में प्रतीक XI ने DNA कैम्पटी को 28 रन से हराया। प्रतीक इलेवन ने उमर खान के 37 और शाहिद रजा के 32 रनों की बदौलत 95 रन बनाए।

डीएनए कैम्पटी ने आठ ओवर में 63-6 का स्कोर बनाया।

हारने वाली टीम के लिए शोबी ने 34 रन बनाए।

प्रतीक इलेवन के लिए सेबू ने तीन विकेट लिए।

शिव शक्ति सीसी ने अनघा टीवीएस ओल्ड सुभेदार को सात रन से हराया।

अजिंक्य देशमुख ने 15 और धनंजय लोही ने 14 रन बनाए, जिसमें उन्होंने आठ ओवर में 61-9 का स्कोर बनाया।

ओल्ड सुभेदार के लिए अंश ने तीन विकेट लिए।

जवाब में ओल्ड सुभेदार 54-8 का स्कोर बनाकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

पप्पू मोहनकर ने 15 रन बनाए।

विजेता टीम के लिए सौरभ यादव ने चार विकेट लिए।

अन्य पीक्यूएफ परिणाम: तंदूर किचन ने यंग स्टार इलेवन को 63 रन से हराया।

शब्बीर अरशद विद्रोही इलेवन ने दोस्ती इलेवन को 5 रन से हराया।

जोनइन इलेवन ने श्री राम सेना को 8 विकेट से हराया।

हैदराबाद तूफ़ान ने फाइनल में किया प्रवेश

नई दिल्ली. हैदराबाद तूफ़ान ने शुक्रवार को बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को 3-1 से हराकर हॉकी इंडिया लीग 2024-25 के फ़ाइनल में प्रवेश करते हुए सीज़न का अपना सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया। हैदराबाद तूफ़ान का सामना शनिवार को श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स से होगा। सेमीफ़ाइनल जैसे मैच में, हैदराबाद तूफ़ान ने 25वें मिनट में अमनदीप लाकड़ा के ज़रिए पहला गोल किया, जिसके बाद जैकब एंडरसन (35) और नीलकांत शर्मा (43) ने उनके स्कोर में इज़ाफ़ा किया, जबकि जेरेमी हेवर्ड (60) ने मैच के अंतिम समय में सूरमा के लिए सांत्वना भरा गोल किया। इससे पहले, तूफ़ान ने आठवें मिनट में तलविंदर सिंह के शानदार प्रदर्शन के बाद खेल का पहला पेनल्टी कॉर्नर जीता। गोंजालो पेइलट ने पेनल्टी कॉर्नर से गेंद को वापस तलविंदर की ओर भेजा, लेकिन वह समय पर गेंद को पकड़ नहीं पाए। दो मिनट बाद मुकुल शर्मा और टिम ब्रैंड ने मिलकर तूफ़ान को कई मौके दिए। मुकुल ने दाएं तरफ से एक शानदार क्रॉस बनाया और ब्रैंड ने गेंद को गोल की ओर मोड़ने में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन विन्सेंट वानाश की पोजिशनिंग एकदम सही थी और उन्होंने गेंद को रोक दिया।

अंडर 19 महिला टी20 वर्ल्ड कप

> भारत और द.अफ्रीका का फाइनल में प्रवेश

कुआलालंपुर.

अंडर 19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2025 में भारत और दक्षिण अफ्रीका ने फ़ाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को खेले गए सेमीफ़ाइनल मुकाबलों में भारत ने इंग्लैंड को 9 विकेट और दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराते हुए ख़िताबी मुक़ाबले में जगह पक्की की। इन दोनों देशों के बीच अब फ़ाइनल मुक़ाबला आज कुआलालंपुर के बयूमास ओवल में खेला जाएगा।

पिछले एक साल में दक्षिण अफ्रीका चौथी बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट के फ़ाइनल में पहुंचा है। इससे पहले वह टी20 वर्ल्ड कप 2024, महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 और वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फ़ाइनल में जगह पक्की कर चुका है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फ़ाइनल मुक़ाबला भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया था। इस मैच में भारत ने अफ्रीका को 7 रन से हराया था। ऐसे में यह दूसरी बार होगा जब भारत और दक्षिण अफ्रीका ख़िताबी मुक़ाबले में भिड़ेंगे।

दक्षिण अफ्रीका ने अबतक एक

भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती है। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के बाद उन्हें महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फ़ाइनल में भी दक्षिण अफ्रीका ने जगह बनाई थी। यहां उन्हें न्यूज़ीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के पास रविवार को आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करने का बड़ा मौका है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में जोरदार प्रदर्शन करते हुए फ़ाइनल में जगह बनाई है। जहां उनका मुक़ाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा।

भारतीय टीम की बात करें तो पिछले देश साल में उन्होंने तीन फ़ाइनल खेले हैं और मात्र एक में जीत हासिल की है। भारत को ऑस्ट्रेलिया के हाथों डब्ल्यूटीसी 2021-23 के फ़ाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं इसके बाद नवंबर 2023 में एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया ने वनडे वर्ल्ड कप के फ़ाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को बुरी तरह हराया था।

युवराज सिंह इंडिया मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे

नई दिल्ली. क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में से एक युवराज सिंह अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग (आईएमएल) के पहले सीजन में इंडिया मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो 22 फरवरी से 16 मार्च तक खेला जाएगा। जी हां यह वही युवराज हैं, जिन्होंने 2007 में पहले आईसीसी टी20 विश्व कप में स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के लगाए थे। दो बार के विश्व कप विजेता और बाएं हाथ के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक युवराज सिंह 22 फरवरी से 16 मार्च तक होने वाले इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) के पहले सत्र में इंडिया मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

युवराज ने 2007 में खेले गए पहले टी20 विश्व कप में भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद उन्होंने 2011 में भारत की वनडे विश्व कप में जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हें अपने ऑलराउंड खेल के कारण इस टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। युवराज के अलावा दक्षिण अफ्रीका के जेपी डुमिनी और श्रीलंका के उपुल थरंगा ने भी इस टूर्नामेंट में खेलने की पुष्टि कर दी है। डुमिनी दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स के लिए खेलेंगे जबकि थरंगा श्रीलंका मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

उन्हें उनके बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब दिया गया था। इंडिया मास्टर्स टीम के हिस्से के रूप में क्रिकेट में अपनी वापसी पर बात करते हुए युवराज सिंह ने कहा- सचिन और मेरे अन्य साथियों के साथ मैदान पर उतरना गौरवशाली दिनों को फिर से जीने जैसा लगता है। उन सभी के साथ खेलना बहुत सारी यादें वापस लाता है। मेरे लिए आईएमएल उस युग को श्रद्धांजलि है जिसने भारतीय क्रिकेट को परिभाषित किया और मैं उन सभी प्रशंसकों के लिए कुछ और अविस्मरणीय यादें बनाने का इंतजार नहीं कर सकता, जिन्होंने वर्षों से हमारा समर्थन किया है।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को पारी और 242 रन से हराया

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में बैटिंग और बॉलिंग में दमदार खेल दिखाते हुए धूम मचा दी। कंगारू टीम ने पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को पारी और 242 रन से हराकर से सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस मैच में श्रीलंका की टीम की टीम अपने घर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुरी तरह से फेल रही। खास तौर से बल्लेबाजी में श्रीलंकाई टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुरी तरह से संघर्ष करती हुई दिखी।

मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 654 रन बनाकर अपनी पारी को घोषित किया था। इसके जवाब में मेजबान श्रीलंका की टीम अपनी पहली पहली पारी में सिर्फ 165 रन के स्कोर पर सिमट गई। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को फॉलोऑन दे दिया। फॉलोऑन खेलने उतर श्रीलंकाई टीम ने दूसरी पारी में कंगारू टीम को कुछ समय के लिए जरूर टक्कर देने की कोशिश की थी, लेकिन मैच को बचाने के लिए काफी नहीं थी। श्रीलंका के खिलाफ इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। खास तौर से उस्मान ख्वाजा, स्टीव स्मिथ ने तो श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर खबर ली। ऑस्ट्रेलिया के लिए उस्मान ख्वाजा ने दमदार खेल दिखाते हुए 352 गेंद में 232 रनों की पारी खेली। सिर्फ ख्वाजा ही नहीं, स्टीव स्मिथ ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और उन्होंने 141 रनों की पारी खेली। वहीं जोश इंग्लिश ने भी अपने डेब्यू टेस्ट मैच में 102 रनों की पारी खेलकर अपना कमाल दिखाया। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो श्रीलंका की तरफ से मैथ्यू कुह्नमैन 5 विकेट हासिल किए। वही नाथन लायन ने भी पहली पारी में 2 विकेट झटके जबकि मिचेल स्टार्क ने खाते में 2 विकेट आया।

भारत और इंग्लैंड का पांचवां टी20 मुक़ाबला आज

> सीरीज में पहले ही जीत दर्ज

मुंबई.

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुक़ाबला आज खेला जाएगा। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाने वाला यह मैच महज़ एक औपचारिकता है। क्योंकि पहले चार मैचों में भारत ने तीन मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा जमा लिया है। इंग्लैंड इस मैच को जीतकर सीरीज का अंत जीत के साथ करना चाहेगा।

वानखेड़े स्टेडियम रनों के लिहाज से कई बड़े टी20 रिकॉर्ड्स का गवाह रहा है। मध्य प्रदेश ने 2019 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ 244/4 का स्कोर बनाकर इस मैदान का सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। जवाब में मेघालय 159/9 रन ही बना सका, जिसमें मध्य प्रदेश ने

85 रन से जीत दर्ज की। रोहित शर्मा टी20 क्रिकेट में वानखेड़े में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 85 मैचों 2,445 रन बनाए हैं। हालांकि रोहित अब टी20आई से तो रिटायर हो चुके हैं। लसिथ मलिंगा 43 मैचों में 68 विकेट के साथ विकेट लेने के मामले में सबसे आगे हैं। वानखेड़े में सबसे बड़े स्कोर का चेज इंग्लैंड ने किया था, जिन्होंने 2016 टी20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 230 रन का टारगेट चेज किया था।

छोटी बाउंड्रीज़ और पावर हिटर्स का दबदबा

वानखेड़े स्टेडियम की पिच हमेशा से बल्लेबाजों को मदद करने वाली रही है और इस पर बड़े स्कोर भी देखने को मिलते हैं। पिच से गेंदबाजों को भी काफी उछाल मिलता है जो मिडल ओवर्स में पावर हिटर्स को रोकने के लिहाज से दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। मैदान में छोटी बाउंड्रीज बल्लेबाजों को चौके-छक्के लगाने का भरपूर चांस देती हैं। जबकि गेंदबाज भी 5वें टी20 में उछाल का फायदा ले सकेंगे।

फखर जमां की टीम में वापसी

> चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए त्रिकोणीय सीरीज

नई दिल्ली. चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान ने सबसे आखिर में टीम की घोषणा कर दी है। फखर जमां को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की टीम में शामिल किया गया है, जो अक्टूबर 2024 में एक सोशल मीडिया पोस्ट पर पीसीबी के साथ मतभेद के चलते टीम से बाहर हो गए थे। 2023 में आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले फहीम अशरफ की भी टीम में वापसी हुई है। खुशदिल शाह और सउद शकील को भी टीम में शामिल किया गया है। यही टीम चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए दक्षिण अफ्रीका और न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ वनडे त्रिकोणीय सीरीज भी खेलेगी। पाकिस्तान के लिए पिछले साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सईम अयूब को टीम में शामिल नहीं किया गया है। सईम अयूब ने पिछले साल 9 वनडे मैचों में 64.4 के शानदार औसत कुल 515 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और एक अर्धशतक आए। 2024 में उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी 113* रन की थी। बताया गया है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान केपटाउन टेस्ट में टखने के फ्रैक्चर के कारण सईम अयूब अनुपलब्ध हैं।दरअसल, उस समय यह घोषणा की गई थी कि वह छह सप्ताह के लिए बाहर रहेंगे, लेकिन ऐसा माना जा रहा था कि चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए समय पर उनके ठीक होने की संभावना बेहद कम है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नक़वी ने पुष्टि की कि अयूब को वापसी करने में अब भी कम से कम चार सप्ताह का समय लगेगा।वहीं, अब्दुल्लाह शफ़ीक़ को ख़राब फ़ॉर्म के कारण टीम में जगह नहीं मिली है। दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़ हाल ही में समाप्त हुई वनडे सीरीज़ में वह प्रत्येक मैच में शून्य पर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। इस सीरीज़ को पाकिस्तान ने 3-0 से जीता था। इसका मतलब है कि पाकिस्तान पूरी तरह से अलग ओपनिंग जोड़ी के साथ उतरेगा, जिसमें फ़ख़र जमां बाबर आज़म या सउद शकील के साथ जोड़ी बना सकते हैं। पीसीबी ने टेस्ट क्रिकेट में बाबर की सफलता को देखते हुए उनको ओपनिंग के लिए उपयुक्त समझा है।

खिलौनों का वैश्विक केंद्र बनेगा भारत

वित्त मंत्री ने किया राष्ट्रीय कार्ययोजना बनाने का ऐलान

नई दिल्ली.

सरकार ने भारत को खिलौनों का वैश्विक केंद्र बनाने की तैयारी कर ली है। केंद्र सरकार ने बजट 2025 में खिलौना उद्योग के लिए राष्ट्रीय कार्ययोजना बनाने का एलान किया है। इसके जरिये खिलौना बाजार के क्लस्टर विकास पर ध्यान दिया जाएगा। पिछले सालों में भारतीय खिलौना बाजार की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मांग बढ़ी है। चीन पर निर्भरता कम होने के बाद सरकार घरेलू बाजार पर जोर दे रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में कहा कि खिलौना उद्योग के लिए बनने वाली राष्ट्रीय कार्ययोजना क्लस्टर, कौशल और निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का विकास करेगी। योजना के तहत उच्च गुणवत्ता वाले, अभिनव और टिकाऊ खिलौने बनाए जाएंगे। यह खिलौने मेड इन इंडिया ब्रांड का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा कि हम राष्ट्रीय कार्य योजना पर काम करते हुए भारत को खिलौनों का वैश्विक केंद्र बनाएंगे। वर्ष 2013 में चीन से खिलौनों का भारत में आयात 214 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। वहीं सरकार के कदम के बाद वित्त वर्ष 2024 में यह घटकर 41.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। इससे भारत के खिलौना आयात में चीन की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2013 में 94 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 24 में 64 प्रतिशत हो गई। यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है।

सरकार के कदम से चीन पर कम हुई निर्भरता

सरकार ने भारत के खिलौना बाजार को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए। गुणवत्ता मानदंडों और सीमा शुल्क में वृद्धि जैसे सरकार के कदमों से घरेलू खिलौना निर्माताओं को बढ़ावा मिला। साथ ही चीनी आयात पर निर्भरता कम हुई। एक दशक से अधिक समय तक भारत में लगभग 76 प्रतिशत खिलौना आयात चीन से होता था।

छोटे-छोटे भूकंप किसी बड़े खतरे का संकेत

> धरती के भीतर बढ़ती गतिविधियों ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली.

उत्तरकाशी में आ रहे छोटे-छोटे भूकंप किसी बड़े खतरे का संकेत हो सकते हैं। कई सालों से बड़ा भूकंप नहीं आने से हिमालय के भूगर्भ में ऊर्जा एकत्रित हो रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार भूकंप तीव्रता की एक मात्रा बढ़ने के बाद धरती से निकलने वाली एनर्जी 30 गुना बढ़ जाती है, जबकि इसमें एक अंक तीव्रता और बढ़ा दी जाए तो यही एनर्जी 900 गुना हो जाती है। ऐसे में छोटे भूकंप आने से बड़े भूकंप का खतरा टल जाने का अनुमान नहीं लगाया जा सकता। उत्तरकाशी में पिछले एक सप्ताह से रुक-रुककर आ रहे भूकंप के झटके लोगों में दहशत का कारण बन रहे हैं। लेकिन इन छोटे झटकों का संबंध किसी बड़े खतरे से है या नहीं, इस पर अब तक किसी भी वैज्ञानिक अध्ययन में कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। हालांकि वैज्ञानिक इस बात से इत्तेफाक रखते हैं कि उत्तराखंड में लंबे समय से बड़ा भूकंप नहीं आया है। ऐसे में छोटे भूकंप भी बड़े खतरे का संकेत हो सकते हैं।

आईआईटी रुड़की के भूकंप अभियांत्रिकी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. योगेंद्र सिंह का कहना है कि छोटे भूकंप से बड़े भूकंप के आने या न आने के बारे में स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि छोटे भूकंप से धरती के नीचे इकट्ठा एनर्जी बड़ी मात्रा में बाहर नहीं निकल पाती है। इस वजह से यह कहना भी मुश्किल है कि बड़े भूंकप नहीं आ सकते। उन्होंने बताया कि भूकंप का मैग्नीट्यूड का एक अंक बढ़ने से पहले के मुकाबले 30 गुना ज्यादा ऊर्जा बाहर निकलती है। जैसे-जैसे मैग्नीट्यूड का अंक बढ़ता जाता है, उसी अनुपात में धरती से निकलने की ऊर्जा की मात्रा बढ़ती जाती है। प्रो. सिंह का कहना है कि धरती के नीचे हो रही भूगर्भीय हलचल में भूकंप का आना तब तक एक सामान्य प्राकृतिक घटना की ही तरह है, जब तक कि उससे जानमाल की कोई हानि न हो। जब भूकंप की तीव्रता 6 से अधिक हो जाती है तो यह विनाश करने लगता है। वहीं दूसरी ओर, उत्तराखंड में 1991 में उत्तरकाशी में 6.6 तीव्रता के भूकंप के बाद कोई बड़ा भूकंप नहीं आया है। हालांकि खरसाली में 2007 में भूकंप की तीव्रता 5 थी। ऐसे में वैज्ञानिक सेस्मिक गैप के तौर पर भी बड़े भूकंप की आशंका जता रहे हैं।

तमिलनाडु सरकार के खिलाफ काम कर रहे राज्यपाल

> सीएम स्टालिन ने लगाया आरोप

चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने राज्यपाल आरएन रवि पर सभी मुद्दों पर राज्य सरकार के खिलाफ काम करने का शुक्रवार को आरोप लगाया. राज्यपाल के हालिया आरोपों के बारे में पूछे जाने पर सीएम स्टालिन ने कहा कि रवि सभी मामलों में राज्य सरकार के खिलाफ आरोप लगाते रहे हैं और यह सिर्फ एक या दो मुद्दों पर ही नहीं है.

राज्यपाल रवि ने यहां संग्रहालय परिसर में गांधी स्मृति कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मुख्यमंत्री स्टालिन पर निशाना साधा था. वहीं, राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों में कुलपति के पद पर नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों की पहचान करने के लिए खोज समितियों में यूजीसी अध्यक्ष के नाम को शामिल करने की उनकी (राज्यपाल) मांग राजभवन और सरकार के बीच असहमति के हालिया मुद्दों में से थे.

यहां उत्तरी चेन्नई विकास योजना से संबंधित कार्यों का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जनता के लिए जो विकास कार्य किए हैं, राज्यपाल उसके प्रति विपरीत रुख अपना रहे हैं और वह ऐसा करना जारी रखे हुए हैं. कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार पहले ही इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में ले जा चुकी है और इस पर चार फरवरी को सुनवाई होगी.

रूस पर अमेरिका की पैनी नजर

वाशिंगटन.

अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से कच्चे तेल और रक्षा सौदों की निर्भरता को घटाए। भारत हमेशा से भू-राजनीतिक स्थिति में संतुलन का पक्षधर रहा है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने पहले ही कह चुके हैं कि हमें जहां से कच्चा तेल मिलेगा, लेंगे। जबकि भारत पेट्रोलियम के वरिष्ठ सूत्र का कहना है कि रूस से तेल लाने के लिए कार्गो नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसे में देखना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बनाम राष्ट्रपति पुतिन को कैसे साधता है भारत?अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने वादा किया था कि राष्ट्रपति बनने के बाद वह रूस यूक्रेन युद्ध बंद करा देंगे।

इस्राइल-हमास का युद्ध भी बंद हो जाएगा। रूस के राष्ट्रपति पुतिन लगातार यूक्रेन के साथ शांति पर राष्ट्रपति ट्रंप से वार्ता का संदेश दे रहे हैं। पुतिन प्रशासन इस टकराव को बाइडेन प्रशासन का फेल्योर मानता है। पुतिन यहां तक कहते हैं कि यदि ट्रंप राष्ट्रपति होते तो यूक्रेन-रूस में युद्ध की नौबत ही नहीं आती। शपथ लेने के साथ ट्रंप ने इस्राइल और मिस्र को छोड़कर अन्य सभी देशों के आर्थिक सहायता पर रोक लगा दी है।

ऐसे में सभी निगाह रूस-यूक्रेन पर टिकी है। माना जा रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप रूस से इस विषय पर वार्ता की पहल से पहले चीन को संदेश देना चाहते हैं और अमेरिकी हितों को सुरक्षित रखने के बहाने रूस की आर्थिक चुनौती बढ़ा देना चाहते हैं। इसमें उन्हें भारत भी अपने शतरंज की बिसात का एक मोहरा दिखाई दे

जीएसटी में मूलभूत सुधारों की जरूरत

> कांग्रेस ने दी केंद्र सरकार को सलाह

नई दिल्ली.

केंद्रीय बजट पेश होने से पहले कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) में मूलभूत सुधारों की जरूरत है। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बजट में देखने वाली बात यह होगी कि निवेशकों को टैक्स टेररिज्म से कुछ छूट मिलती है या नहीं। बता दें कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को रिकॉर्ड आठवां लगातार बजट पेश करेंगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, "बजट के दो पहलू हैं, इंटेंट और कंटेंट। दोनों मिलकर सीमा निर्धारित करते हैं। अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति और प्राइवेट निवेशकों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता देखते हुए हमें ज्यादा उम्मीद नहीं है। बजट में मुझे किसी बड़ी घोषणा की उम्मीद नहीं है। देखते हैं कि मध्यम वर्ग के लोगों को टैक्स में कुछ छूट मिलती है या नहीं। यह भी देखना है कि निवेशकों को टैक्स टेररिस्म से छूट मिलती है या नहीं।" उन्होंने आगे कहा, "सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जीएसटी में में मूलभूत सुधारों की जरूरत है।

केरल की कांग्रेस सांसद हिबी ईडन को उम्मीद है कि बजट में टैक्स नीतियों, आम आदमी और छोटे व्यापारियों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान बजट में किया जाएगा। उन्होंने कहा, "मनरेगा पर अधिक आवंटन होगा। हमें उम्मीद है कि शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। हमारी हमेशा से मांग रही है कि आंगनवाड़ी के सदस्यों (शिक्षकों और कार्यकर्ताओं) को बेहतर स्थान दिया जाए। मुझे उम्मीद है कि सरकार हमारी मांगों पर विचार करेगी। इस बार दक्षिणी राज्यों की उपेक्षा की गई है और मुझे उम्मीद

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर भारत

> बजट पर बोले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

मुंबई.

देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज 1 फरवरी को देश का केंद्रीय बजट सुनाया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को केंद्रीय बजट 2025 की प्रशंसा की और बजट को देश की अर्थव्यवस्था के विकास को गति देने वाला बताया। बजट प्रावधानों को रेखांकित करते हुए गडकरी ने कहा कि हमेशा की तरह बजट में कृषि क्षेत्र के साथ-साथ बुनियादी ढांचे के क्षेत्र को भी प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने नई कर व्यवस्था की भी सराहना की जिसके तहत 12 लाख रुपये की आय तक आयकर में छूट है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का "ऐतिहासिक बजट" पेश किया है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, "वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का ऐतिहासिक बजट पेश किया है। इस बजट में हमारे बजट को गति देने की विशेषता है। हमेशा की तरह इस बार भी उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को प्राथमिकता दी है – सेक्टर के लिए बजट बढ़ाया गया है और इससे इंफ्रा और रोड को मदद मिलेगी। कृषि क्षेत्र को भी प्राथमिकता दी गई है। आयकर सुधार से मध्यम वर्ग के लोगों को बड़ा लाभ होगा। इस बजट में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा, "मैं निर्मला सीतारमण को धन्यवाद देना चाहता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर, 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। हम इसमें निश्चित रूप से सफल होंगे।"

नहीं देना होगा कोई आयकर

आपको बताते चले कि अपने बजट भाषण में, मंत्री ने घोषणा की कि 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई आयकर नहीं देना होगा, जिससे करदाताओं, खासकर मध्यम वर्ग को काफी राहत मिलेगी। वेतनभोगी करदाताओं के लिए यह सीमा 12.75 लाख रुपये होगी, जिसमें मानक कटौती के 75,000 रुपये शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नई आयकर व्यवस्था सरल होगी, जिसमें मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

शिवसेना नेता पर रॉड से हुआ हमला

> जुआ खेलने पर की शिकायत, 7 पर मामला दर्ज

पालघर.

महाराष्ट्र के पालघर जिले से एक गंभीर मसला सामना आ रहा है, जहां एक शिवसेना नेता पर हमले का मामला सामने आया है। जिसने सभी को हैरानी में डाल दिया है और पुलिस को अलर्ट कर दिया है। महाराष्ट्र के पालघर में जुआ खेलने की शिकायत करने पर 75 वर्षीय शिवसेना नेता पर उनके ही घर में लोगों के एक समूह ने कथित तौर पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 29 जनवरी को जौहर में हुए हमले के लिए पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

उन्होंने बताया कि शिवसेना की जिला इकाई के उपप्रमुख विजय घोलप ने जुआ खेलने की शिकायत अधिकारियों से की थी,

जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस गतिविधि को रुकवा दिया। आरोपी 29 जनवरी की शाम को घोलप के घर पहुंचे और लोहे की रॉड से उन पर हमला कर दिया। हमले में घोलप को गंभीर चोटें आईं और उनका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि घोलप की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धारा 109 (हत्या का प्रयास), 189 (दो) (अवैध रूप से एकत्र होना), 190 (समान उद्देश्य के लिए किया गया अपराध), 191 (दो) (दंगा) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पालघर पुलिस शिवसेना नेता अशोक ढोडी की हत्या की भी जांच कर रही है, जिनका शव शुक्रवार को पड़ोसी राज्य गुजरात में उनकी कार की डिक्की में पाया गया था। ढोडी के परिवार ने कुछ दिन पहले उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

राजमार्ग पर दो कारों में भिड़ंत, 3 लोगों की मौत

मुंबई. महाराष्ट्र का बीड जिला पहले ही कई महीने से काफी संवेदनशील जिला बना हुआ है। ऐसे में छोटीसी दुर्घटना भी बीड में हंगामा मचाने के लिए काफी है। इस बीच खबर आ रही है कि महाराष्ट्र के बीड जिले में राजमार्ग पर दो कारों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई है।

ये भिड़ंत इतनी गंभीर थी कि इसमें में तीन लोगों की मौत हो गई। इस बात की जानकारी शनिवार को पुलिस ने दी और बताया कि यह दुर्घटना शुक्रवार रात करीब 11 बजे केज तालुका में अहमदपुर-अहमदनगर राजमार्ग पर हुई। उन्होंने बताया कि चंदन सावरगांव में हुई भिड़ंत में दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और मृतकों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों में सभी पुरुष हैं।

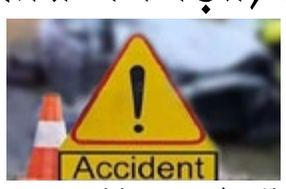

अधिकारी ने बताया कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे व्यक्ति को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि आसपास के लोगों ने उनकी मदद करने की कोशिश की और पुलिस को सूचित किया। उन्होंने बताया कि यूसुफ वडगांव पुलिस थाने की एक टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए राजमार्ग पर यातायात जाम हो गया तथा टक्कर के कारण की जांच की जा रही है। 9 दिसंबर को बीड जिले में सरपंच देशमुख की हत्या के बाद से ही बीड जिला एक संवेदनशील इलाका बन गया है,जहां एक छोटी-सी घटना भी किसी बड़े हंगामे को चिंगारी दे सकती है। बीड जिले के मासजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की 9 दिसंबर को उस समय हत्या कर दी गई थी, जब उन्होंने कथित तौर पर क्षेत्र में पवन चक्कियां लगाने वाली एक ऊर्जा कंपनी को निशाना बनाकर जबरन वसूली के प्रयास का विरोध किया था।

तीन मंजिला होटल में लगी भीषण आग

मुंबई. महाराष्ट्र के अमरावती में शनिवार शाम को एक बड़े हादसे ने शहर को दहला दिया. जवाहर रोड स्थित तीन मंजिला एक होटल में अचानक आग लग गई, जो तेजी से फैलते हुए पास के कपड़े के शोरूम तक पहुंच गई. इस घटना में दो कर्मचारी मामूली रूप से झुलस गए, जिन्हें समय रहते रेस्क्यू कर लिया गया. सूचना पर पहुंची दमकल विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन इस हादसे में लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, होटल की रसोई में लगी भट्टी से आग भड़क उठी. वहां रखे गैस सिलेंडर ने आग को और विकराल बना दिया. देखते ही देखते तेज लपटों ने पूरे होटल को अपनी चपेट में ले लिया. आग इतनी तेजी से फैली कि होटल के पास स्थित कपड़ों के शोरूम को भी अपनी चपेट में ले लिया. शाम के समय होटल और शोरूम में अच्छी-खासी भीड़ होती है, लेकिन गनीमत रही कि समय रहते लोग बाहर निकल गए और बड़ा हादसा टल गया. घटना की जानकारी मिलते ही अमरावती महानगरपालिका की दमकल टीम मौके पर पहुंची. 22 से 25 दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाने का काम शुरू किया गया.

भांडुप, कुर्ला, अंधेरी पूर्व, दादर में 30 घंटे नहीं आएगा पानी

मुंबई. 5 और 6 फरवरी के बीच भांडुप, कुर्ला, अंधेरी पूर्व , बांद्रा पूर्व और दादर इलाकों में लोगों को 30 घंटे तक पानी कटौती का सामना करना पड़ेगा। यह जानकारी बीएमसी प्रशासन ने दी है। बीएमसी के अनुसार पवई एंकर ब्लॉक और मारोशी वॉटर शाफ्ट के बीच 2400 मिमी व्यास की नई पानी की पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा कर लिया है। इसीलिए 1800 मिमी व्यास वाले तानसा पूर्वी और पश्चिमी

पाइपलाइन को आंशिक रूप से अलग करने का कार्य किया जाएगा, जिससे 2400 मिमी व्यास वाली नई पाइपलाइन को शुरू किया जा सके। यह कार्य 5 फरवरी को सुबह 11 बजे से शुरू किया जाएगा और 6 फरवरी, 2025 को शाम 5 बजे तक कुल 30 घंटे तक चलेगा।

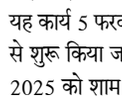

श्रीराम पाडा, खिंडी पाडा, तुलशेत पाडा, मिलिंद नगर, शिवाजी नगर, भांडुप (पश्चिम), गौतम नगर, फिल्टर पाडा, महात्मा फुले नगर, सर्वोदय नगर और आसपास पानी नहीं आएगा। इसी तरह गांवदेवी पहाड़ी, टेंभी पाडा, एलबीएस रोड, सोनापुर जंक्शन से मंगतराम पेट्रोल पंप तक का क्षेत्र, भांडुप (पश्चिम), शिंदे मैदान के पास का क्षेत्र, प्रताप नगर मार्ग, फुले नगर हिल, हनुमान हिल, अशोक हिल आदि एरिया में पानी आपूर्ति बंद रहेगी।

जलगांव के लिए लाभकारी साबित हुआ बजट 2025-26

>इन क्षेत्रों में विकास के खुले नए अवसर

जलगांव.

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश किया। यह बजट कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और रोजगार में वृद्धि को बढ़ावा देता है तथा जलगांव जिले के लोगों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। साल 2025-26 का बजट जलगांव जिले के किसानों, उद्यमियों, छात्रों और आम नागरिकों के लिए विकास के अवसर पैदा करने के बारे में खास है। जिले के कृषि, उद्योग, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों के विकास के लिए इन योजनाओं से नागरिक लाभान्वित हो सकेंगे। जिले में किसानों की उत्पादकता बढ़ाने और आधुनिक तकनीक का उपयोग करने के लिए जलगांव को शामिल करने की संभावना है।

कपास उत्पादन के लिए विशेष मिशन: चूंकि जलगांव एक कपास उत्पादक जिला है, इसलिए 5 साल की कपास उत्पादन वृद्धि योजना महत्वपूर्ण होगी। अरहर, उड़द और मसूर जैसी दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए नई योजना शुरू की जाएगी। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण सीमा में वृद्धि: अल्पकालिक खेती के लिए ऋण सीमा बढ़ाकर ₹5 लाख कर दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए योजना को 2028 तक बढ़ा दिया गया है।

रोजगार सृजन एवं सामाजिक कल्याण योजना

पीएम स्वनिधि योजना का विस्तार: छोटे व्यापारियों के लिए ऋण सीमा बढ़ाई गई। गिग (ऑनलाइन) श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं: प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभ। निर्यात प्रोत्साहन योजना: एमएसएमई उद्योगों को आसान ऋण और वित्तीय सहायता। भारतट्रेडनेट डिजिटल प्लेटफॉर्म: कृषि और प्लास्टिक उत्पाद निर्यातकों के लिए सहायता। वरिष्ठ नागरिकों के लिए कर राहत: कर कटौती की सीमा ₹ 50 हजार से बढ़ाकर ₹1 लाख की गई।₹ 2.4 लाख से ₹ 6 लाख तक मकान किराये पर टीडीएस सीमा बढ़ाई गई।

बुनियादी ढांचा और शहरी विकास

शहरी विकास और पुनर्गठन योजना: जलगांव जैसे शहर ₹1 लाख करोड़ की 'शहरों के रूप में विकास हब' योजना से लाभान्वित हो सकते हैं। विद्युत वितरण सुधार योजना: अंतर-राज्यीय विद्युत वितरण के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। 10 हजार नई मेडिकल सीटें: जिले में छात्रों के लिए चिकित्सा शिक्षा के अवसर। जिला अस्पतालों में डे केयर कैंसर सेंटर: कैंसर उपचार के लिए नई सुविधाएं। अटल टिंकरिंग लैब्स: सरकारी स्कूलों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा को बढ़ावा देना।

ठाणे में महिला से की चेन स्नैचिंग

मुंबई. ठाणे जिले में हुई चेन स्नैचिंग के आरोपी को पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है. पुलिस अब आरोपी से यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने इस तरह की और कितनी वारदातों को अंजाम दिया है. मीरा रोड और आसपास के इलाकों में हुई अन्य चोरी और स्नैचिंग की घटनाओं में उसकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है. पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ठाणे की अदालत में पेश किया जाएगा. एजेंसी के अनुसार, यह घटना मीरा रोड के नयानगर इलाके में हुई थी. पुलिस का कहना है कि 31 वर्षीय अब्दुल शाहबाज अब्दुल नजीर को इस हफ्ते की शुरुआत में पश्चिम बंगाल के खिदरीपुर से पकड़ा गया. इस आरोपी ने बीते 16 जनवरी को ठाणे जिले के मीरा रोड इलाके में एक महिला की 43,000 रुपये कीमत की सोने की चेन छीन ली थी.

चेन स्नैचिंग की इस घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया था. इस मामले में केस दर्ज कर पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की. जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी क्राइम के बाद पश्चिम बंगाल भाग गया है. इसके बाद पुलिस की एक टीम पश्चिम बंगाल के खिदरीपुर पहुंची और अब्दुल शाहबाज को गिरफ्तार कर लिया. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अमर जगदाले का कहना है कि इस मामले में इस्तेमाल की गई चोरी की बाइक भी पुलिस ने बरामद कर ली है.

सुविचार

लेकर मौसम की बहार, आया बसंत ऋतु का त्योहार, आओ हम सब मिलके मनाए, दिल में भर के उमंग और प्यार, बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं।

व्यंजन

केसर भात

❑ बसंत पंचमी का फेस्टिवल बसंत ऋतु के आगमन की खुशी में सेलिब्रेट किया जाता है. इस दिन घरों में कई तरह के व्यंजन भी बनाए जाते हैं. बसंत पंचमी मौसम में बदलाव का त्योहार होने की वजह से प्रकृति से जुड़ा फेस्टिवल तो माना ही गया है, वहीं यह दिन धार्मिक रूप से भी काफी मायने रखता है. खासतौर पर इस दिन लोग मां सरस्वती की पूजा करते हैं और उन्हें केसर भात का भोग लगाया जाता है. खाने में भी केसर भात बेहद स्वादिष्ट लगता है. आप भी बसंत पंचमी पर केसर भात बना सकते हैं और भोग लगाने के साथ ही अपनी फैमिली को एक टेस्टी ट्रीट भी दे सकते हैं.

सामग्री: केसर भात बनाना के लिए बासमती के चावल लें, क्योंकि ये खिले-खिले बनते हैं. अगर एक कप बासमती चावल ले रहे हैं तो दो कप पानी ले लें. इसके अलावा आधा कप चीनी, 2 बड़े चम्मच देसी घी, 10-12 काजू, इतनी ही किशमिश, 6-7 बादाम, आधा चम्मच हरी इलायची का पाउडर, आधा चम्मच दालचीनी का पाउडर, 4 से 5 लौंग, सूखा नारियल कटा हुआ 50 से 60 ग्राम, एक बड़ा चम्मच दूध. सबसे मुख्य व्यंजन चाहिए होगा केसर, 5 से 6 धागे. सबसे पहले बासमती चावलों को अच्छी तरह से धो लें और फिर आधे घंटे के लिए पानी में भोगकर छोड़ दें. एक मोटे तले का पैन गैस पर गर्म करें, इसमें देसी घी डालकर बादाम, काजू और कटे हुए सूखे नारियल को सुनहरा फ्राई करें.

सारे नट्स को एक प्लेट नें निकालने के बाद भिगोए हुए चावलों को पानी, चीनी, इलायची पाउडर, दालचीनी पाउडर के साथ कुकर में दो सीटी लगा लें. जब तक चावल पक रहे हो, तब तक एक बड़े चम्मच दूध में केसर के धागे भिगोकर रख दें, ध्यान रखें कि दूध गर्म हो. कुकर में दो सीटी आने के बाद चावल चेक करें और फिर इसमें थोड़ी भुनी मेवा केसर वाला दूध डालकर दो से तीन मिनट तक पका लें. केसर भात इस तरह से सिंपल स्टेप्स में तैयार हो जाएगा. इसे किसी प्लेट या बाउल में निकालकर, बाकी के भुने हुए मेवा से गार्निश करें और भोग लगाने के बाद सभी में बांटे.

आस्था

बसंत पंचमी पर होगा तीसरा अमृत स्नान

❑ महाकुंभ के दौरान बहुत से लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई. अब तक महाकुभ को दो अमृत स्नान हो चुके हैं. जिसमें पहला अमृत स्नान मकर संक्राति के दिन और दूसरा मौनी अमावस्या के अवसर पर किया गया था. अब महाकुंभ का तीसरा अमृत स्नान बसंत पंचमी पर किया जाएगा. वैसे तो आस्था का यह महापर्व महाशिरात्रि के दिन तक चलेगा और इसी दिन महाकुंभ का आखिरी महास्नान भी किया जाएगा. वहीं इस बार कुछ लोगों के मन ये सवाल भी है कि अगर बसंत पंचमी कल है, तो अमृत स्नान कब किया जाएगा?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महाकुंभ का अमृत स्नान ब्रह्म मुहूर्त मे किया जाता है. वहीं बसंत पंचमी की तिथि का समापन कल सुबह 6 बजकर 52 मिनट पर होगा. ऐसे में महाकुंभ का अमृत स्नान कल किया जाएगा. वहीं स्नान का शुभ मुहूर्त सुबह 5 बजकर 23 मिनट से 6 बजकर 16 मिनट तक रहेगा. इस दौरान पवित्र संगम में स्नान स्नान करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है. महाकुंभ में सबसे पहले नागा साधु स्नान करते हैं. नागा साधुओं को स्नान करने की प्राथमिकता सदियों से चली आ रही है. इसके पीछे एक धार्मिक मान्यता है. इसके अलावा गृहस्थ जीवन जीने वाले लोगों के लिए महाकुंभ में स्नान के नियम कुछ अलग हैं. गृहस्थ लोगों नागा साधुओं बाद ही संगम में स्नान करना चाहिए. स्नान करते समय 5 डुबकी जरूर लगाएं, तभी स्नान पूरा माना जाता है.महाकुंभ में चौथा महास्नान माघ पूर्णिमा के दिन यानी 12 फरवरी को किया जाएगा. महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर यानी 26 फरवरी के दिन महाकुंभ का आखिरी महास्नान होगा.

बसंत पंचमी

ज्ञान, विद्या और संगीत की देवी सरस्वती को समर्पित

आज हिंदू धर्मशास्त्रों में बसंत पंचमी का पर्व बहुत विशेष माना गया है. बसंत पंचमी का दिन ज्ञान, विद्या और संगीत की देवी माता सरस्वती को समर्पित किया है.हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार, बसंत पचंमी को माता सरस्वती प्रकट हुईं थीं. ये पर्व माता के जन्मदिन के रूप में मपनाया जाता है.बसंत पंचमी पर माता सरस्वती का पूजन किया जाता है. मां सरस्वती को ज्ञान, कला और रचनात्मकता की देवी माना जाता है। माता सरस्वती की पूजा करने से बुद्धि और ज्ञान की प्राप्ति होती है। देवी सरस्वती को शारदा, ब्रह्मावारिणी और जगन्माता भी कहते हैं। विद्यार्थियों और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को माता सरस्वती की पूजा विशेष रूप से करनी चाहिए। इसके साथ ही जो लोग लेखन, संगीत, कला जैसे कामों से जुड़े हैं उन्हें भी देवी सरस्वती की स्तुति अवश्य करनी चाहिए। देवी सरस्वती की पूजा करने के लिए बसंत पंचमी का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। पौराणिक मान्यता है कि बसंत पंचमी के दिन माता सरस्वती की उत्पत्ति हुई थी। इस साल बसंत पंचमी आज है इसलिए सरस्वती पूजा के विशेष नियमों को ध्यान में रखकर ही देवी सरस्वती की पूजा की जानी चाहिए। वसंत पंचमी के दिन मदनोत्सव भी रहता है, जिसे वसंतोत्सव कहते हैं। मदन नाम कामदेव का ही नाम है। बसंत पंचमी के दिन माता सरस्वती के अलावा कामदेव की पूजा का भी प्रचलन है। कामदेव जी को भगवान शिव में अपने तिसरे नेत्र से भस्म कर दिया था और बाद में रति को दिए वरदान के तहत कामदेव ने श्रीकृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न के रूप में जन्म लिया था। मुद्गल पुराण के अनुसार कामदेव का वास यौवन, स्त्री, सुंदर फूल, गीत, पराग कण या फूलों का रस, पक्षियों की मीठी आवाज, सुंदर बाग-बगीचों, वसंत ऋतु, चंदन, काम-वासनाओं में लिप्त मनुष्य की संगति, छुपे अंग, सुहानी और मंद हवा, रहने के सुंदर स्थान, आकर्षक वस्त्र और सुंदर आभूषण धारण किए शरीरों में रहता है। इसके अलावा कामदेव स्त्रियों के शरीर में भी वास करते हैं, खासतौर पर स्त्रियों के नयन, ललाट, भौंह और होठों पर इनका प्रभाव काफी रहता है। बसंत पंचमी को परिणय सूत्र में बंधने के लिए भी बहुत सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दिन विवाह संबंध तट करना, सगाई करना या विवाह करना शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, बसंत पंचमी के दिन विधि-विधान से माता सरस्वती का पूजन करने से बुद्धि ज्ञान के साथ ही सौभाग्य, तरक्की और धन धान्य भी बढ़ता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि साल बसंत पचंमी का पर्व किस दिन मानाया जाएगा. साथ ही बसंत पंचमी के दिन माता सरस्वती की पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है. दरअसल, बंसत पंचमी का पर्व माघ महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर मनाया जाता है. हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 2 फरवरी सुबह 9 बजकर 16 मिनट पर होगी. वहीं इस तिथि का समापन 3 फरवरी को सुबह 6 बजकर 54 मिनट पर होगा. ऐसे में उदयातिथि के अनुसार बसंत पंचमी का पर्व 2 फरवरी को मनाया जाएगा.

क्या है वर्ल्ड कैंसर डे का महत्व

प्रतिवर्ष 4 फरवरी को वर्ल्ड कैंसर डे मनाया जाता है। इसे मनाने के पीछे की वजह लोगों को वैश्विक स्तर पर जागरूक करना होता है। क्योंकि हर वर्ष लाखों लोगों की कैंसर के कारण मौत हो जाती है। हम कैंसर को तभी मात दे पाएंगे जब हमें इसके बारे में सबकुछ पता होगा, ऐसे में हमें जानने की जरूरत होती है कि इसे कैसे रोका जाए। इस बात ध्यान में रखते हुए हर वर्ष वर्ल्ड कैंसर डे मनाया जाता है। ऐसे में जानते हैं वर्ल्ड कैंसर डे का इतिहास क्या है।कैंसर एक गंभीर बीमारी है जिसे कोई भी नजरअंदाज नहीं कर सकता। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें मानव शरीर की कुछ कोशिकाएँ अनियंत्रित हो जाती हैं और अन्य अंगों में फैलने लगती हैं। कैंसर मानव शरीर के किसी भी हिस्से में उत्पन्न हो सकता है। घातक बीमारियों के लक्षण और संकेत अक्सर अंतिम चरण में ही प्रकट होते हैं, जिससे प्रारंभिक अवस्था में उन पर ध्यान नहीं दिया जाता है। कैंसर एक गंभीर समस्या हो सकती है, लेकिन इसका सबसे प्रभावी समाधान यह है कि आप इसके बारे में जानकारी प्राप्त करें। कार्सिनोमा, सार्कोमा, लिम्फोमा या मायलोमा, ल्यूकेमिया, ब्रेन, स्पाइनल कॉर्ड के कैंसर के कुछ सामान्य प्रकार होते हैं। ब्लड कैंसर, लंग कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर को घातक प्रकारों में गिना जाता है। कई कैंसर तो खराब जीवनशैली जैसे बहुत अधिक शराब पीना, मोटापा, गलत खान-पान और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण होते हैं। कैंसर का कारण आनुवंशिक रूप भी हो सकता है। आपको कैंसर से बचने के लिए अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी ध्यान देना चाहिए। कैंसर केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करता है। इस स्थिति में उन्हें भावनात्मक और मानसिक सहायता प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। भावनात्मक सहायता: कैंसर से ग्रसित व्यक्तियों को उनके परिवार और मित्रों का सहयोग मिलना चाहिए, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। आर्थिक सहायता: उपचार की उच्च लागत को ध्यान में रखते हुए, सरकार और गैर-सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करानी चाहिए। स्वास्थ्य देखभाल: बेहतर चिकित्सा सुविधाओं और सेवाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करना आवश्यक है।

बढ़ रहा है मेडिकल टूरिज्म का ट्रेंड

❑ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना आठवां बजट पेश किया.अपने बजट के भाषण के दौरान वित्त मंत्री ने कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य और शिक्षा पर कई बड़े ऐलान किए हैं. इस बीच निर्मला सीतारमण ने मेडिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा देने की बात कही है. वित्त मंत्री ने कहा कि प्राइवेट सेक्टर के साझेदारी में भारच में मेडिकल टूरिज्म कोबढ़ावा दिया जाएगा. आपको बता दें कि कोविड 19 के बाद भारत को मेडिकल क्षेत्र में दुनियाभर में बड़ी पहचान मिली है. देश मेडिकल टूरिज्म का हब बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है. बहरहाल, यहां हम आपको मेडिकल टूरिज्म के बारे में हर वो जानकारी देंगे, जो आपके लिए जरूरी है. तो सबसे पहले आइए जानते हैं कि मेडिकल टूरिज्म होता क्या है? दरअसल, जब किसी देश के रहने वाले लोग मेडिकल सहायता यानी इलाज के लिए किसी दूसरे देश की यात्रा करते हैं, तो इसे ही मेडिकल टूरिज्म कहा जाता है. मेडिकल टूरिज्म का ट्रेंड पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ा है. कई देशों में इसे इंडस्ट्री के तौर पर भी देखा जाता है. मेडिकल टूरिज्म में केवल इलाज ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े कई दूसरे पहलू जैसे ट्रैवलिंग, ठहरने की व्यवस्था और ट्रीटमेंट के बाद होने वाली देखभाल शामिल होती है. कई देशों में इलाज की कीमतें विकसित देशों की तुलना में काफी सस्ती होती हैं. भारत, थाईलैंड, मलेशिया और मेक्सिको जैसे देशों में इलाज की लागत अमेरिका या यूरोप की तुलना में काफी कम होती है. यही कारण है कि ज्यादातर लोग इन देशों में इलाज के लिए आते हैं. इसका कारण ये भी है कि कई देशों में नई-नई चिकित्सा तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है,जिससे मरीजों को बेहतर इलाज मिलता है. सीडीसी की रिपोर्ट की मानें तो मेडिकल टूरिज्म में ज्यादातर लोग कॉस्मेटिक सर्जरी, फर्टिलिटी ट्रीटमेंट, डेंटल केयर, ऑर्गन और टिश्यू ट्रांसप्लांटेशन और कैंसर का इलाज करवाते हैं. अब आपको बताते हैं कि भारत में इलाज के लिए किन-किन देशों से लोग आते हैं. केंद्र सरकार पिछले काफी समय से विकसित देशों की तरह भारत में भी मेडिकल टूरिज्म बढ़ाने का काम कर रही है. सिंगापुर, साउथ कोरिया और जर्मनी की तरहभारत में भी विश्वस्तरीय अस्पताल और डॉक्टर हैं- जहां विदेशी मरीजों को बेहतरीन इलाज मिलता है.

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

❑ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत के प्रथम उप प्रधानमन्त्री तथा प्रथम गृहमन्त्री वल्लभभाई पटेल को समर्पित एक स्मारक है, जो भारतीय राज्य गुजरात में स्थित है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2013 को सरदार पटेल के जन्मदिवस के मौके पर इस विशालकाय मूर्ति के निर्माण का शिलान्यास किया था। यह स्मारक सरदार सरोवर बांध से 3.2 किमी की दूरी पर साधू बेट नामक स्थान पर है जो कि नर्मदा नदी पर एक टापू है। यह स्थान भारतीय राज्य गुजरात के भरुच के निकट नर्मदा जिले में स्थित है। यह विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति है, जिसकी लम्बाई 182 मीटर (597 फीट) है। इसके बाद विश्व की दूसरी सबसे ऊँची मूर्ति चीन में स्प्रिंग टैम्पल बुद्ध है, जिसकी आधार के साथ कुल ऊंचाई 153 मीटर (502 फीट) हैं। प्रारम्भ में इस परियोजना की कुल लागत भारत सरकार द्वारा लगभग ₹3,000 करोड़ (US$438 मिलियन) रखी गयी थी, बाद लार्सन एंड टूब्रो ने अक्टूबर 2014 में सबसे कम ₹2,989 करोड़ (US$436.39 मिलियन) की बोली लगाई; जिसमें आकृति, निर्माण तथा रखरखाव शामिल था। निर्माण कार्य का प्रारम्भ 31 अक्टूबर 2013 को प्रारम्भ हुआ। मूर्ति का निर्माण कार्य मध्य अक्टूबर 2018 में समाप्त हो गया। इसका उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 अक्टूबर 2018 को सरदार पटेल के जन्मदिवस के मौके पर किया गया। गुजरात सरकार द्वारा 7 अक्टूबर 2010 को इस परियोजना की घोषणा की गयी थी। इस मूर्ति को बनाने के लिये लोहा पूरे भारत के गाँव में रहने वाले किसानों से खेती के काम में आने वाले पुराने और बेकार हो चुके औजारों का संग्रह करके जुटाया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एकता ट्रस्ट ने इस कार्य हेतु पूरे भारतवर्ष में 36 कार्यालय खोले, जिससे लगभग 5 लाख किसानों से लोहा जुटाने का लक्ष्य रखा गया। इस अभियान का नाम "स्टैच्यू ऑफ यूनिटी अभियान" दिया गया। 3 माह लम्बे इस अभियान में लगभग 6 लाख ग्रामीणों ने मूर्ति स्थापना हेतु लोहा दान किया। इस

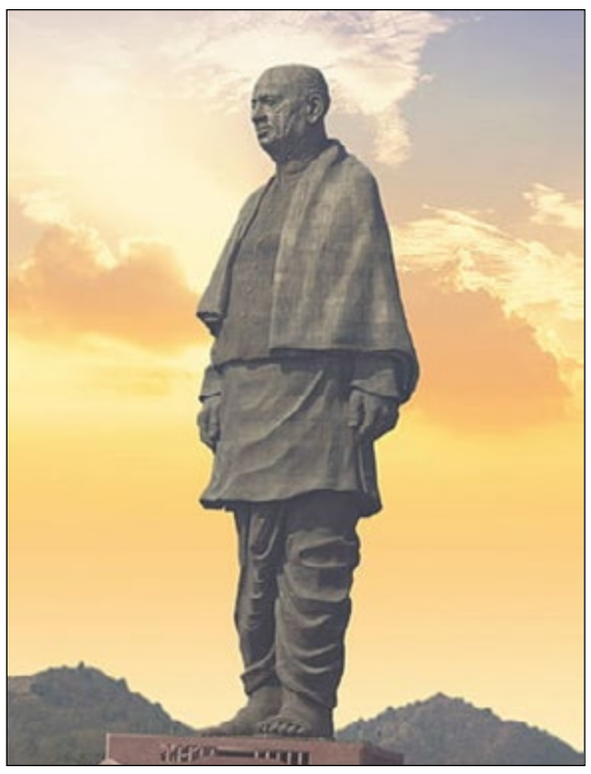

दौरान लगभग 5,000 मीट्रिक टन लोहे का संग्रह किया गया। हालाँकि शुरुआत में यह घोषणा की गयी थी कि संग्रहित किया गया लोहे का उपयोग मुख्य प्रतिमा में किया जायेगा, मगर बाद में यह लोहा प्रतिमा में उपयोग नहीं हो सका; और इसे परियोजना से जुड़े अन्य निर्माणों में प्रयोग किया गया। मूर्ति निर्माण के अभियान से "सुराज" प्रार्थना-पत्र बना जिसमे जनता बेहतर शासन पर अपनी राय लिख सकती थी। सुराज प्रार्थना पत्र पर 2 करोड़ लोगों ने अपने हस्ताक्षर किये, जो कि विश्व का सबसे बड़ा प्रार्थना-पत्र बन गया जिसपर हस्ताक्षर हुए हों। इसके अतिरिक्त 15 दिसम्बर 2013 को एक "रन फॉर यूनिटी" नामक मैराथन का भी पूरे भारतवर्ष में आयोजन हुआ। इस मैराथन में भी बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

■ बंगाल टाइगर, बाघों की एक उप-प्रजाति है. इसे पहले रॉयल बंगाल टाइगर के नाम से जाना जाता था. यह भारत का राष्ट्रीय पशु है. बंगाल टाइगर, दुनिया की सबसे बड़ी बिल्ली प्रजातियों में से एक है. यह साइबेरियाई बाघ के बाद दूसरे नंबर पर आता है.

पंजाब

❑ पंजाब उत्तर-पश्चिम भारत का एक राज्य है जो वृहद्तर पंजाब क्षेत्र का एक भाग है। इसका दूसरा भाग पाकिस्तान में है। पंजाब क्षेत्र के अन्य भाग (भारत के) हरियाणा और हिमाचल प्रदेश राज्यों में हैं। इसके पश्चिम में पाकिस्तानी पंजाब, उत्तर में जम्मू और कश्मीर, उत्तर-पूर्व में हिमाचल प्रदेश, दक्षिण और दक्षिण-पूर्व में हरियाणा, दक्षिण-पूर्व में केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ और दक्षिण-पश्चिम में राजस्थान राज्य हैं। राज्य की कुल जनसंख्या 2,77,43,336 है और कुल क्षेत्रफल 50,362 वर्ग किलोमीटर है। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ पंजाब की राजधानी है पंजाब के प्रमुख नगरों में अमृतसर, लुधियाना, जालंधर, पटियाला और बठिंडा हैं। 1947 भारत का विभाजन के उपरान्त बर्तानवी भारत के पंजाब प्रान्त को भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजन दिया गया था। फिर पाकिस्तान वाले भाग में बहावलपुर राज्य जोड़ा गया और भारतीय पंजाब में पेप्सू राज्यों को, जिससे एक भारतीय पंजाब विशाल क्षेत्र बना। 1966 में भारतीय पंजाब का विभाजन फिर से हो गया और परिणाम के रूप में हरियाणा और विशाल हिमाचल प्रदेश जन्में और पंजाब का वर्तमान राज बना। यह भारत का अकेला प्रान्त है जहाँ सिख बहुमत में हैं। युनानी लोग पंजाब के आस पास क्षेत्र को पैंटापोटाम्या नाम के साथ जानते थे जो कि पाँच इकट्ठा होते नदियोँ का अंदरूनी डेल्टा है। पारसियों के पवित्र ग्रंथ अवैस्टा में उत्तर पश्चिम भारत क्षेत्र को पुरातन हपता हेंदू व सप्त-सिंधु (सात नदियोँ की धरती) के साथ जोड़ा जाता है। पर पंजाब नामकरण अकबर के शासनकाल में हुआ और इसमें सतलुज से दक्षिण कोई भी भाग पंजाब में सम्मिलित नहीं था। बर्तानवी लोग इस को "हमारा प्रशिया" कह कर बुलाते थे। ऐतिहासिक रूप से पंजाब युनानियों, मध्य एशियाईओं, अफ़ग़ानियों और ईरानियों के लिए भारतीय उपमहाद्वीप का प्रवेश-द्वार रहा है। कृषि पंजाब का सब से बड़ा उद्योग है। यहाँ के प्रमुख उद्योग हैं: वैज्ञानिक साज़ों सामान, कृषि, खेल और बिजली सम्बन्धित माल, सिलाई मशीनें, मशीन यंत्रों, स्टार्च, साइकिलों, खादों आदि का निर्माण, वित्तीय आजीविका, सैर-सपाटा और देवदार के तेल और खंड का उत्पादन। पंजाब में भारत में से सब से अधिक इस्पात के लुढ़का हुआ मीलों के उद्योग-स्थल हैं जो कि फ़तहगढ़ साहब की इस्पात नगरी मंडी गोबिन्दगढ़ में हैं। इस पवित्र धरती नै महाराजा रणजीत सिंह अकाली फूला सिंह और सरदार हरि सिंह नलवा जैसे योद्धाओं जन्म दिया और पंजाब के लोगों ने हिंदुस्तान को आजाद कराने के लिए 80% जाने दी. पंजाब शब्द का सबसे पहला उल्लेख इब्न-बतूता के लेखन में मिलता है, जिसनें 14वीं शताब्दी में इस क्षेत्र की यात्रा की थी। इस शब्द का 16वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में व्यापक उपयोग होने लगा, और इस शब्द का प्रयोग तारिख-ए-शेरशाही सूरी (1580) नामक किताब में किया गया था, जिसमें "पंजाब के शेरखान" द्वारा एक किले के निर्माण का उल्लेख किया गया था।

शिव मधुकल्प और मधुसूदन डी-एक्स कैप

आयुर्वेद एक वरदानकारी शास्त्र है। इसमें वर्णित दवाएँ अमृततुल्य है। जो कि बिना किसी दुष्परिणामों से रोगी को स्वस्थ कराती है। शिव शंकर आयुर्वेद एजन्सी द्वारा निर्मित एवं वितरित शिव मधुकल्प सिरप और "मधुसुदन डी-एक्स कैप्सूल" एक ऐसी आयुर्वेदिय औषधि है जो कि मधुमेह में बढ़ी हुयी रक्तशर्करा को काफी हद तक नॉर्मल शुगर लेवल अर्थात फास्टिंग 80, पोस्ट्मील ब्लड शुगर 110-140 तक होने में शीघ्र मदत करता है. तथा दुष्परिणामों को भी रोकता है. सुबह शाम खाने के बाद यदि साथ में दिया जाये तो एक से दो महीने के अंदर उनकी ब्लड शुगर नार्मल शुगर में बदल सकती है. जिन लोगों को इंसुलिन या एलोपैथी मेडिसिन डायबिटीज के लिए शुरू है वह लोग भी अपनी एलोपैथिक मेडिसिन आयुर्वेदिक दवाओं की मदत से इन रोगों से छुटकारा पा सकते है। और साइड इफेक्ट्स से बच सकते है। इन आयुर्वेदिक दवाओं कि अच्छे रिजल्ट्स कई वर्षों से मधुमेह के पेशंटस में देखे गए है। तथापि इच्छुक पीडित रुग्ण इस प्रभावी औषधी का यथोचित लाभ उठाने के लिए अनुभवी चिकित्सक की सलाह प्राप्त कर इस दवा को अपनाए एवं मधुमेह से छुटकारा पाए.

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

शिवशंकर आयुर्वेद एजन्सी

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें 9112079000/8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, रविवार, 2 फरवरी 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

देश को विकास की ओर ले जाने वाला बजटः गीता हिंगे

देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में भारत की वित्त मंत्री माननीय निर्मला सीतारमण जी ने 2025 का वित्तीय बजट घोषित किया। इस बजट में विकास को बढ़ावा देने वाले सभी मुद्दे शामिल हैं। यह बजट विकास को सुनिश्चित करता है सभी का। निजी क्षेत्र के लिए अनुकूल माहौल बनाने और मध्यम वर्ग की ताकत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। महान तेलुगु कवि गुरजादा अप्पाराव ने कहा है कि कोई देश अपनी मिट्टी से नहीं बल्कि अपने लोगों से बनता है। इस कहावत के आधार पर इस बजट में गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसमें कृषि विकास, ग्रामीण विकास पर जोर दिया गया है। मेक इन इंडिया, ऊर्जा निर्यात को बढ़ावा देने जैसे विभिन्न मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस बजट का उद्देश्य विकास करना है। छह क्षेत्र. कराधान, बिजली क्षेत्र, वित्तीय क्षेत्र, खनन, विनियामक परिवर्तन पर काम किया गया है। इसमें किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख की गई है, सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को बढ़ावा दिया गया है, महिलाओं के लिए विशेष ऋण की व्यवस्था की गई है, आंगनबाड़ियों को सशक्त बनाया जाएगा, आईआईटी की क्षमता का विस्तार किया जाएगा और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जाएगा। सुखद बात यह है कि आयकर में बहुत संतोषजनक बदलाव किए गए हैं। मध्यम वर्ग के आयकरदाता निश्चित रूप से खुश होंगे। कुल मिलाकर यह बजट व्यापक है और देश को विकास की ओर ले जाएगा।

आम आदमी के लिए अति निराशाजनक बजट: सांसद धानोरकर

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट में केवल घोषणाएं ही शामिल हैं। बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सांसद धानोरकर ने खेद व्यक्त किया कि इस बजट से आम जनता के साथ-साथ युवाओं, महिलाओं, किसानों और खेतिहर मजदूरों के लिए कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। यह बजट दर्शाता है कि हर साल की तरह इस साल भी मोदी सरकार जनता को गुमराह कर रही है। हालाँकि, मैंने जो 10 लाख रुपये तक की आयकर छूट की मांग की थी, उसमें 12 लाख रुपये तक की आयकर छूट आम आदमी के लिए राहत की बात है।

बजट 2025 आम आदमी के साथ धोखा: दिनेश चोखारे

आज प्रस्तुत केन्द्रीय बजट में बढ़ती महंगाई के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। प्रति व्यक्ति आय में हम 147 वें स्थान पर हैं। लोगों की औसत वार्षिक आय बढ़ाना जरूरी था, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है, कृषि नीतियों को लेकर कोई आंकड़े जारी नहीं किए गए हैं। वित्त मंत्री ने कृषि विभाग की प्रशंसा की। लेकिन उनकी मुख्य मांग, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, के बारे में कुछ नहीं किया गया। आज भी राज्य में प्रतिदिन 7 किसान आत्महत्या करते हैं। नई शिक्षा नीति लागू की जाएगी। उनका वित्तीय प्रावधान नहीं दर्शाया गया है। साथ ही, छोटे उद्योगों के लिए कोई ठोस नीति न होने के कारण अर्थव्यवस्था को उतना लाभ नहीं मिल पाया है, जितना मिलना चाहिए था। आज पेश किया गया बजट आम जनता के साथ धोखा है। कृषि उपज बाजार समिति चंद्रपुर के पूर्व अध्यक्ष तथा जिला कांग्रेस कमेटी के संचालक, चंद्रपुर जिला उपाध्यक्ष दिनेश चोखारे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा है कि इस बजट में बेरोजगार युवाओं, किसानों तथा आम जनता के लिए कोई जगह नहीं है।

केंद्रीय बजट भारत के समावेशी विकास का दृष्टिकोण: मुनगंटीवार

> मुनगंटीवार ने किया केंद्रीय बजट का स्वागत।

चंद्रपुर, सुनील तायडे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास की नीति के अनुरूप वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत बजट किसानों, महिलाओं, युवाओं, कर्मचारियों सहित समाज के सभी वर्गों को न्याय प्रदान करने वाला बजट है। भारत के समावेशी विकास के लिए एक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। विधायक मुनगंटीवार ने देश को विकास के पथ पर ले जाने वाला बजट पेश करने के लिए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई दी है।

वित्त मंत्री ने इस बजट में कृषक समुदाय को केंद्र में रखा है। विशेष रूप से कपास उत्पादकों के लिए 5 वर्षीय पैकेज, कपास उत्पादक मिशन, तथा किसानों को कम ब्याज दर पर 5 लाख रुपए तक का ऋण, देश के किसानों के लिए राहत की बात है। यह कपास किसानों के लिए केन्द्र सरकार की ओर से विशेष उपहार है। इसी प्रकार, आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की 70 प्रतिशत भागीदारी तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को उद्यमी के रूप में प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता, महिला विकास के लिए उत्प्रेरक है। एमएसएमई के लिए राष्ट्रीय निर्माण मिशन की घोषणा इस क्षेत्र के लिए उत्साहवर्धक है। इसके अलावा एमएसएमई के लिए भी बड़ा प्रावधान किया गया है। मछली उत्पादन को भी प्रमुख प्रोत्साहन दिया गया है। निम्न आय वाले जिलों के लिए धन धान्य योजना किसानों और गरीब नागरिकों के लिए राहत है। युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण योजनाएं और इसके लिए किए गए प्रावधान युवा कल्याण के प्रति जागरूकता का संकेत देते हैं। पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का संकल्प और साथ ही मेडिकल टूरिज्म की अवधारणा को लागू करने का संकल्प पर्यटन विकास को बढ़ावा दे रहा है। बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर देते हुए किया गया प्रावधान विशेष महत्व का है, तथा अगले 10 वर्षों में 120 हवाई अड्डों के विकास के साथ-साथ कुछ नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों के विकास का संकल्प भी महत्वपूर्ण है।

वित्त मंत्री ने आर्थिक सुधारों को लागू करते हुए करदाताओं को बड़ी राहत दी है। इससे देश के मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिली है। 12 लाख रुपए तक की आय वालों पर कोई टैक्स न लगाने का फैसला बहुत महत्वपूर्ण है, साथ ही कैंसर व अन्य गंभीर बीमारियों की दवाओं को टैक्स-फ्री करने का फैसला भी राहत देने वाला है। इसके अलावा सरकार ने सूक्ष्म उद्योगों के लिए कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड और छोटे निवेशकों के लिए प्रोत्साहन जैसे महत्वपूर्ण कदम भी उठाए हैं। विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा सभी क्षेत्रों में समाज के सभी वर्गों को न्याय देकर महंगाई को नियंत्रण में लाने के लिए प्रस्तुत की गई आर्थिक योजना देश को प्रगति के पथ पर ले जाएगी।

विस्तृत और विकसित भारत स्वप्न की ओर वाहक बजट: हंसराज अहीर

चंद्रपुर.

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा यह पेश किया गया बजट 2047 में विकसित भारत का ' नीला ' प्रिंट ' है. यह बजट गरीब , युवा शक्ति , किसान , महिला शक्ति और पिछड़ा वर्ग तत्वों के लिए समर्पित , ऐतिहासिक और देश विकास को ऊंचाई पर वाहक होगा. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री हंसराज अहीर ने बजट का स्वागत किया.

बजट में कृषि , उद्योग , स्टार्टअप , शिक्षा , स्वास्थ्य , स्वरोजगार और रोजगार के साथ अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र में सुविधाओं के लिए अंतर्दृष्टि रखकर देश विकास के लिए संतोषजनक वित्तीय प्रावधान से नया दिशा देने कोशिश की. 1 . 70 करोड़ किसानों के लिए प्रधान मंत्री अनाज कृषि योजना , कर्मचारी करदाताओं के लिए रू 12 लाख से अधिक आयकर छूट , कैंसर उपचार में दवाइयाँ आयात कर-मुक्त , किसान श्रेय कार्ड सीमाएँ 5 लाख ऐसा करके 7 एक करोड़ से अधिक अधिक किसान मछुआरों के लिए लाभ , दुर्लभ और गंभीर बीमारी पर 36 दवाइयाँ रिवाज़ कर्तव्य नि:शुल्क , भूमि लॉग्स आधुनिकीकरण , वरिष्ठ नागरिकों टीडीएस सीमा के भीतर 1 लाख जब तक विकास , 3 वर्ष में ज़िला अस्पताल में दिन देखभाल कैंसर केंद्र का प्रतिष्ठान , चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में 10 हज़ार स्थानों के विकास , कपास निर्माताओं के लिए 5 साल एक योजना के साथ अनेक जनोन्मुख , विकासोन्मुख योजना निष्पादित द्वारा देश में अमीर और विकसित राष्ट्र के प्रति वाहक यह बजट है.

चंद्रपुर में बाघों की जान खतरे में, कई शिकारी गिरफ्त में

> बाघ शिकार रैकेट मामले में शिलांग से पूर्व सैन्यकर्मी गिरफ्तार.

> बाघों के लिए लाखों की लेनदेन का खेला.

> कई शिकारी गिरफ्तार होने की आशंका

चंद्रपुर. कई बाघों की हत्या का कुख्यात शिकारी अजीत राजगोंड उर्फ अजीत पारधी के नेतृत्व में बाघ शिकार रैकेट की चल रही जांच में एक बड़ी सफलता मिली है। चंद्रपुर की एक विशेष टीम ने शिलांग से 50 वर्षीय पूर्व सैन्यकर्मी लालनेसुंग को गिरफ्तार किया है। माना जा रहा है कि संदिग्ध व्यक्ति शिकारी गिरोह को बाघ के अंगों के खरीदारों के बीच का बिचौलिया की भूमिका का प्रमुख है। पारधी के मोबाइल से पूर्व सैन्यकर्मी लालनेसुंग के मिले वित्तीय लेन-देन के जरिए उसका पता लगाया गया। पता चला है कि शिलांग के पूर्व सैन्यकर्मी लालनेसुंग और आरोपी के बीच 50 लाख रुपये से अधिक का लेन-देन हुआ था।

चार दिन पहले गठित विशेष जांच दल के सूत्रों ने पुष्टि की कि, गिरफ्तारी वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो, शिलांग के सहयोग से की गई थी। पूर्व सैन्यकर्मी लालनेसुंग जो एक दशक से अधिक समय पहले सेना से सेवानिवृत्त हुए थे, पर अवैध वन्यजीव व्यापार नेटवर्क को बाघ के अंगों की बिक्री को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का संदेह है।

पूर्व सैन्यकर्मी लालनेसुंग 30 जनवरी को शिलांग में हिरासत में लिए जाने के बाद उसे 31 जनवरी को चंद्रपुर लाया गया। प्रारंभिक जांच के आधार पर, राजुरा के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उसे आगे की पूछताछ के लिए 4 फरवरी तक वन हिरासत रिमांड में भेज दिया।

अधिकारियों को संदेह है कि शिकार का नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ है, जिसका संबंध पूर्वोत्तर और यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वन्यजीव तस्करों से भी है। जांचकर्ता अब शिकार किए गए बाघ के अवशेषों के अंतिम खरीदारों का पता लगाने के लिए वित्तीय लेनदेन, कॉल रिकॉर्ड और बरामद साक्ष्यों का विश्लेषण कर रहे हैं।

इस बीच, अजीत के भाई केरू सहित उसके फरार साथियों का पता लगाने और रैकेट में शामिल अन्य संभावित साथियों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं

गिरफ्तार आरोपियों के लिए एफसीआर बढ़ाया.

कुख्यात शिकारी अजीत और उसके गिरोह का कार्य क्षेत्र राजुरा है. मध्य चांदा वन प्रभाग में बाघ के शिकार मामले की जांच में चौंकाने वाले विवरण सामने आ रहे हैं। बामनवाड़ा गांव में शिकारी के शिविर से जब्त किए गए तीन नमूने - बड़े बाल, एक छोटी हड्डी का टुकड़ा और एक बड़ा दांत - को फोरेंसिक विश्लेषण के लिए वन्यजीव अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र, नागपुर भेजा गया था। अब प्राप्त परिणामों से पुष्टि होती है कि नमूने बाघ के हैं, जिससे आरोपी के खिलाफ मामला मजबूत होता है।

इन निष्कर्षों के बाद, जेएमएफसी, राजुरा ने पांच आरोपियों की एफसीआर 4 फरवरी तक बढ़ा दी है, जबकि एक महिला आरोपी राजकुमारी को आगे की पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में रखा गया है। हिरासत में लिए गए छह आरोपियों में अजीत सियाला पारधी (गैंग लीडर) इंजेक्शनबाई पारधी (उसकी मां), रीमाबाई पारधी (उसकी पत्नी), रवीना आयुष, सेवा यश, राजकुमारी पारधी शामिल हैं।

एसआईटी ने संगठित वन्यजीव व्यापार की जांच का विस्तार किया

3 सदस्यीय एसआईटी को शुरू में बाहरी संबंध स्थापित करने का काम सौंपा गया था, जिसका नेतृत्व ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व के उप निदेशक (कोर) आनंद रेड्डी येलु कर रहे हैं। टीम ने डब्ल्यूसीसीबी शिलांग के सहयोग से शिकार गिरोह के वित्तीय लेन-देन और मोबाइल रिकॉर्ड को ट्रैक किया, जिससे लालनेसुंग की गिरफ्तारी हुई। इसके अतिरिक्त, चंद्रपुर के मुख्य वन संरक्षक द्वारा गठित 12 सदस्यीय एसआईटी मामले की समानांतर जांच कर रही है। टीम में शामिल हैं, श्वेता बोड्डू, उप वन संरक्षक , सेंट्रल चांदा, पवन कुमार जोंग, उप-विभागीय वन अधिकारी, राजुरा, सचिन शिंदे, डीएफओ, टीएटीआर, बापू येले, डीएफओ, सामाजिक वानिकी प्रभाग, आदेश शेंडगे, सहायक वन संरक्षक, वन्यजीव, वेणु गोपाल, वकील, महेश गायकवाड़, एसीएफ, ब्रह्मपुरी सुरेश येलकेवाड, रेंज वन अधिकारी (आरएफओ), राजुरा, अरुण गोंड, आरएफओ, मोहरली आकाश सारदा, मुकेश जावरकर, और शाहबाज़ शेख इन सभी की निगरानी जांच अंतिम पड़ाव में हैं.

स्कूली सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थि स्वयं को साबित करे: विधायक किशोर जोरगेवार

> विद्या विहार स्कूल में सामाजिक समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

चंद्रपुर. शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों के समग्र विकास की प्रक्रिया है। ऐसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से, छात्र जीवन कौशल सीखते हैं , मूल्यों को आत्मसात करते हैं और समाज के जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि इस कार्यक्रम से छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ता है , टीम भावना पैदा होती है और उन्हें खुद को साबित करने का अवसर मिलता है ।

विद्या विहार स्कूल में मैत्री कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वह इस समय बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर , शिक्षक विभाग के विधायक सुधाकर अड़बाले, सरदार पटेल मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद दत्तात्रेय, विद्या विहार स्कूल के निदेशक चंद्र रेड्डी, शोभा रेड्डी, कृष्णा रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आगे बोलते हुए जोरगेवार ने कहा कि , " आज के कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। विद्यालय में ऐसी गतिविधियों से ही विद्यार्थियों का व्यक्तित्व निखरता है। अपने नृत्य , गायन , अभिनय और विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से वे अपने व्यक्तित्व का लोहा मनवाते हैं।" उन्होंने कहा, "हमने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत दिखाई है।"

विद्यार्थियों के विकास में शिक्षकों और अभिभावकों दोनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक ज्ञान का प्रकाश देते हैं और माता-पिता उसे मूल्यों में परिवर्तित करते हैं। विद्यार्थियों को भी अपना लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए। शिक्षा के साथ-साथ खेल , कला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी उनके समग्र विकास में योगदान देती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन का आधार है और इसके साथ ही छात्रों को कला, खेल और सामाजिक जागरूकता में भी आगे आना चाहिए । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र और अभिभावक मौजूद थे।

बन्दर का उमड़ा प्यार, अंतिम संस्कार में बंदर की श्रद्धांजलि

> शव के साथ बंदर श्मशानघाट में पहुंचा

कोरपना. पिंपलगांव के विजय मारुति धवने, वरोरा तालुका के शहीद अक्षय निकुरे की मां अनुसया मारोती धवने का 75 वर्ष की आयु में वृद्धावस्था के कारण निधन हो गया। जब परिवार अनुसूया मां का शव ले जा रही थीं, तब एक बंदर श्मशान घाट पहुंचा। बंदर ने शव को गले लगा लिया। पीपलगांव क्षेत्र में इस बात को लेकर खूब चर्चा हो रही है कि यह महज संयोग है या चमत्कार।

वन क्षेत्रों में रहने वाले बंदर जंगल की गंध छोड़कर गांवों में शरण लेने आते हैं। यद्यपि बन्दर बोल नहीं सकता, फिर भी वह सब कुछ समझता है। बंदर को हनुमानजी का भक्त माना जाता है और मानव जाति उसकी पूजा करती है। शव को लेकर श्मशान घाट पर बंदर का पहुंचना वरोरा तालुका में चर्चा का विषय बन गया है।

घुग्घुस शहर में स्मार्ट मीटर का विरोध

> कांग्रेस ने मुख्य अभियंता को ज्ञापन देकर की मांग

कोरपना, मनोज गोरे

घुग्घुस शहर में बिजली मीटर ना चाहने वाले लोगों के लिए महाराष्ट्र वितरण महामंडल द्वारा स्मार्ट मीटर लगाए जाने की शिकायत शहर कांग्रेस कार्यालय को मिलने के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष राजूरेड्डी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने एमडीसीसी कार्यालय में मुख्य अभियंता भटारकर से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में स्मार्ट मीटर लगा दिए जाएंगे। स्मार्ट मीटर नहीं लग पा रहे हैं।

इसकी घोषणा की गई थी, लेकिन चंद्रपुर जिले में महावितरण की ओर से सबसे पहले सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगाए गए और उसके बाद जिन नागरिकों के मीटर खराब हो गए हैं, उनके यहां स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं।

हालांकि आज स्मार्ट मीटरों में रिचार्ज की व्यवस्था लागू नहीं की गई है, लेकिन नागरिकों के घरों में स्मार्ट मीटर लगाकर उन्हें धीरे-धीरे सक्रिय करने की साजिशें रची जा रही हैं।

चंद्रपुर जिला एक औद्योगिक जिला है और इसमें बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक, खेत मजदूर और छोटे व्यापारी हैं और श्रमिकों को समय पर वेतन नहीं मिलता है।

इसलिए, कांग्रेस नेताओं ने मांग की है कि चंद्रपुर जिले और घुग्घुस शहर में स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएं क्योंकि स्मार्ट रिचार्ज मीटर नागरिकों के लिए वहनीय नहीं हैं।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता सैयद अनवर, वरिष्ठ नेता लक्ष्मण सदालवार, जिला महासचिव अलीम शेख, सोशल मीडिया अध्यक्ष रोशन दांतलवार, विशाल मदार ताल शामिल थे। सचिव महिला जिला उपाध्यक्ष यास्मीन सैय्यद, महिला जिला महासचिव पद्मा त्रिवेणी, महिला शहर अध्यक्ष संगीता बोबड़े, जिला सचिव दुर्गा पाटिल, मंगला बुरांडे, शेखर तंगड़पल्ली, शहजाद शेख इंटक उपाध्यक्ष, देवीदास पुंगंती, श्रीनिवास गुडला तालुका उपाध्यक्ष, दीपक पेंडोर, कुमार रुद्रराप, सुनील पाटिल, रोहित डाकुर, दीपक कांबले, सतीश अते, सूरज थावरी, अभिषेक सपदी, शहंशाह शेख, अंकुश सापते, आयुष आवले, साहिल आवले, मीना श्रीवास्तव, अनीता जुनघरे, निशा शेख, वर्षा पाटिल, चंदा दुर्गे, पपिता वासेकर , नंदा आत्राम और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूलों में स्नेह सम्मेलन का आयोजन समय की मांग

कोरपना. आज विश्व आधुनिकता की धारा में बह रहा है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर और इंटरनेट के इस युग में विद्यार्थियों के छिपे गुणों को सामने लाने के लिए प्रत्येक विद्यालय में मैत्री सम्मेलन आयोजित करना समय की मांग है, ऐसी टिप्पणी कार्यक्रम का उद्घाटन करने वाले अम्बेनेरी सेंटर के केंद्र प्रमुख ताराचंद रामटेके ने की। उन्होंने आगे कहा कि आजकल के छात्र स्कूल से घर जाते समय मोबाइल फोन भी साथ ले जाते हैं। आजकल मोबाइल फोन हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया हैं। लेकिन माता-पिता को अपने बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखने के बजाय किताबों से पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भिसी पुलिस विभाग की पुष्पा वधाई ने विद्यार्थियों को बिना लाइसेंस के वाहन चलाने के नुकसान तथा इसके विरुद्ध की जाने वाली कानूनी कार्रवाई के बारे में बताया, साथ ही सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों, विशेषकर लड़कियों की तस्वीरों का किस प्रकार दुरुपयोग किया जाता है, इस बारे में भी बताया। .

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती, सावित्रीबाई फुले, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जामगांव केंद्र के सेवानिवृत्त प्रमुख विनोद भोयर, महात्मा गांधी विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक कृष्णा तेजणे और विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य सतीश थुटे ने उपस्थित विद्यार्थियों और अभिभावकों का मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम में मंच पर पूर्व छात्र एवं पत्रकार पंकज मिश्रा, अभिभावक शिक्षक संघ के सदस्य हीरा तुम्बेकर, मंजुताई रामटेके और उधवाप्रसाद रामटेके उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानेश्वर ठवारे ने किया। राजू अष्टनकर ने उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया।

स्कूल के शिक्षक सुखदेव बोरकर, अनिल खड़के, शशिकांत राणे, संजय नागपुरे, रंजना कुबड़े, सातपुते सर, धोपते सर, लाइब्रेरियन वसंता घनोडे और छात्रों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।

फिल्म 'देवा' ने आते ही मचाई तबाही

बता दें कि शाहिद कपूर की फिल्म का बजट लगभग 50 करोड़ बताया जा रहा है. ऐसे में फिल्म को हिट होने के लिए अभी थोड़ा लंबा सफर तय करना है, लेकिन अगर फिल्म का वीकेंड पर कलेक्शन बढ़ जाता है. तो शाहिद की फिल्म अपना बजट आसानी से निकाल लेगी.

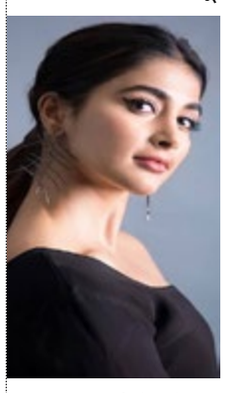

☐ शाहिद कपूर की मोस्ट अवेटेड थ्रिलर-एक्शन फिल्म 'देवा' फाइनली सिनेमाघरों में आ गई है. इस फिल्म में शाहिद का राउडी अवतार दिखा है. फिल्म में शाहिद बेशक पुलिस ऑफिसर बने हैं, लेकिन उनका सनकी अवतार हर किसी को पसंद आया है. शाहिद के साथ फिल्म में पूजा हेगड़े नजर आ रही हैं, जो एक इनवेस्टिगेटिव रिपोर्टर की भूमिका निभा रही हैं. शाहिद की इस फिल्म को शानदार रिव्यू मिला है. सोशल मीडिया पर फिल्म को भर-भरकर प्यार मिल रहा है, लेकिन अब फिल्म के पहले दिन की कमाई भी सामने आ गई है जो शानदार है. दरअसल, देवा को लेकर पहले ही कहा जा रहा था कि फिल्म डबल डिटीज में कमाई नहीं कर पाएगी. पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म पहले दिन लगभग 7 करोड़ का कलेक्शन करेगी. इस आंकड़ें में फेरबदल भी हो सकता है और पिंकविला की रिपोर्ट लगभग सही निकली है. फिल्म की पहले दिन की कमाई से जुड़े शुरुआती आंकड़े भी सामने आ चुके हैं. सैक्निल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन 5 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. ये आंकड़े फाइनल नहीं हैं. इन दिनों सिनेमाघरों में अक्षय कुमार की स्काई फोर्स भी लगी हुई है. ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी खासी कमाई कर रही है. दोनों फिल्म की टक्कर भी पहले दिन ही दिख गई है. जहां शाहिद कपूर की फिल्म ने 5 करोड़ का आंकड़ा छुआ है, तो अक्षय कुमार की फिल्म ने भी ठीक ठाक कमाई की है. गुरुवार को अक्षय कुमार की फिल्म की कमाई के आंकड़े सामने आए थे, जिसमें फिल्म ने 5.5 करोड़ रुपये कमाए थे, जिसके बाद अब कहा जा रहा है कि शुक्रवार को शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म 2 करोड़ तक कमाई कर चुकी थी. यानी इस फिल्म की कमाई भी ठीक रही है.

पलक तिवारी पर इब्राहिम ने किया शर्टलेस कमेंट

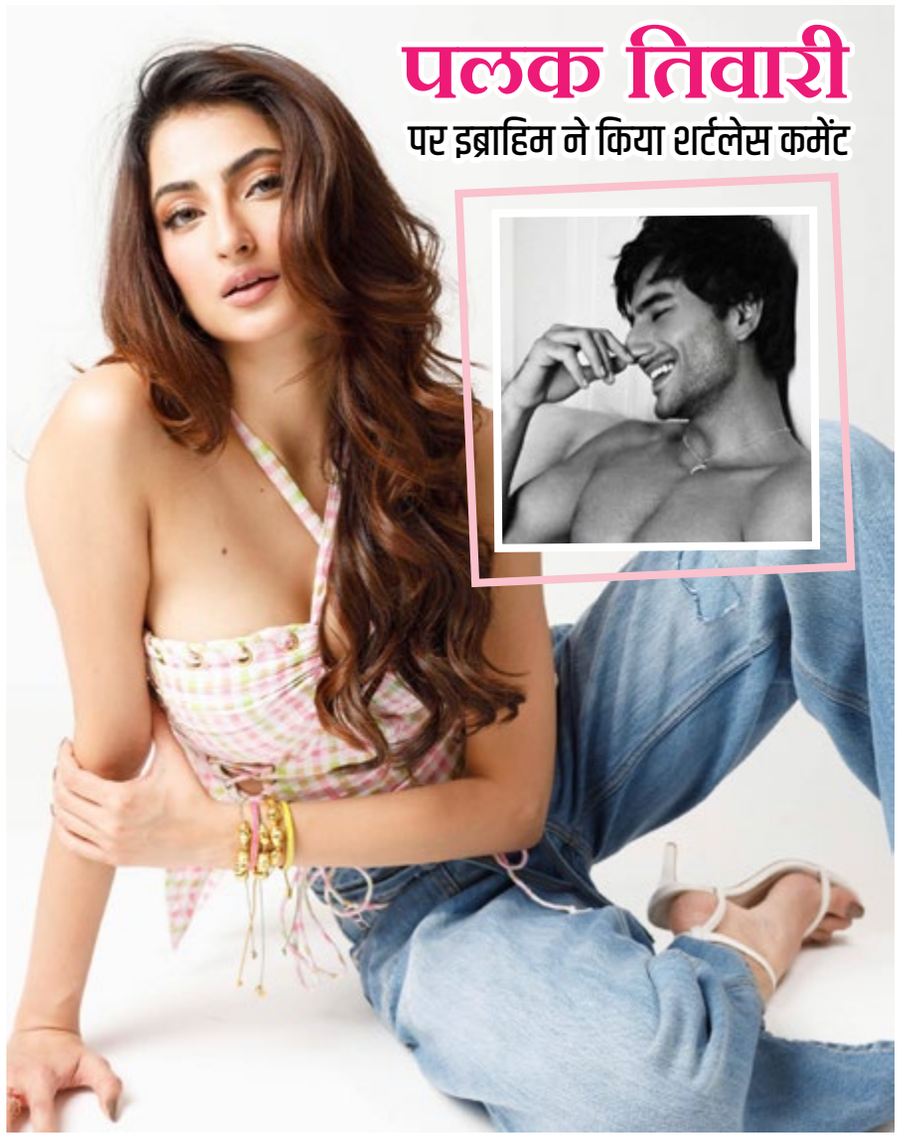

☐ एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के स्टार्स के साथ ही उनके बच्चे भी लगातार चर्चा में बने रहते हैं. ये स्टारकिड्स कभी अपने एक्टिंग डेब्यू को लेकर तो कभी अपने अफेयर को लेकर सुर्खियों में आ जाते हैं. सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान और श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी के डेटिंग की खबरें अक्सर आती रहती हैं. हालांकि, दोनों स्टारकिड्स ने अपने कथित रिश्ते पर खुलकर कोई बात नहीं की है. अब इब्राहिम अली खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शर्टलेस फोटो शेयर की है. इस पर पलक तिवारी ने जो कमेंट किया है वो लोगों का ध्यान खींच रहा है. इसके बाद लोग एक बार फिर दोनों के अफेयर की अटकलें लगाने लगे हैं. आइए देखते हैं कि इब्राहिम अली खान की फोटो पर पलक तिवारी ने क्या लिखा है. इब्राहिम अली खान जल्द ही फिल्म 'नादानियां' से एक्टिंग डेब्यू करने वाले हैं. उनके साथ फिल्म में खुशी कपूर नजर आने वाली हैं. इब्राहिम अली खान की ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर आएगी, हालांकि रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है. इसी बीच उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी एक शर्टलेस तस्वीर शेयर की है. इसके साथ कैप्शन लिखा है, मुस्कुरा रहा हूं क्योंकि मैं आप लोगों को मेरी फिल्म की पहली झलक दिखाने का ब्रेसबी से इंतजार कर रहा हूं. इब्राहिम अली खान की शर्टलेस फोटो पर उनकी कथित गर्लफ्रेंड पलक तिवारी लट्टू हो गईं और कमेंट सेक्शन में स्टार आईज और मेल्टिंग इमोजी बनाए हैं. इब्राहिम अली खान की पोस्ट पर पलक तिवारी के कमेंट को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों के रिलेशनशिप में होने को लेकर जमकर कमेंट किए हैं. वर्क फ्रंट की बात करें तो इब्राहिम अली खान फिल्ममेकर करण जौहर की फिल्म 'नादानियां' से एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं. वहीं, पलक तिवारी इंडस्ट्री में पहले से एक्टिव हैं. ये दोनों स्टारकिड्स अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहते हैं.

रिलीज से पहले 'वॉर 2' की क्लिप ऑनलाइन लीक

☐ साल 2025 की मोस्ट अवेटेड फिल्म वॉर 2 की रिलीज का फैन्स दिल थामकर इंतजार कर रहे हैं. इस फिल्म में ह्रथिक रोशन और जूनियर एंटीआर नजर आने वाले हैं. पिछले साल से इस फिल्म को लेकर बज बना हुआ है. फिल्म को लेकर आए दिन नए-नए अपडेट्स भी सामने आते रहते हैं. लेकिन 'वॉर 2' की रिलीज से पहले ही ऋतिक और जूनियर एनटीआर समेत मेकर्स को बड़ा झटका लगा है.

'वॉर 2' का एक्शन सीक्वेंस वीडियो ऑनलाइन लीक हो गया है. 'वॉर 2' एक एक्शन फिल्म हैं. फिल्म ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर दोनों ही दमदार एक्शन करते हुए नजर आने वाले हैं. फिल्म में दोनों एक-दूसरे का सामना करते हुए भी नजर आएंगे. 123 तेलुगू की रिपोर्ट की माने तो 'वॉर 2' का एक सीन ऑनलाइन लीक हो गया है. वायरल हो रहे क्लिप में ऋतिक और एनटीआर को आमने-सामने देख जा रहा है. इस वीडियो के वायरल होते ही मेकर्स तुरंत हरकत में आ गए थे. मेकर्स को जैसे ही इस बात की भनक लगी कि 'वॉर 2' का एक्शन सीक्वेंस की वीडियो लीक हो गया है, उन्होंने तुरंत उस क्लिप को इंटरनेट से हटवा दिया. अब ये क्लिप इंटरनेट पर मौजूद नहीं है. लेकिन जो लोग इसे देख चुके हैं उनके लिए एक अच्छा अनुभव रहा. माना जा रहा है कि जो लोग क्लिप देख चुके हैं वो जूनियर एनटीआर के दमदार अवतार को देखकर हैरान रह गए हैं. हालांकि इस वीडियो के लीक होने पर जहां काफी फैन्स खुश थे, वहीं कुछ लोग काफी नाराज भी थे.

रवीना की डेस्टिनेशन वेडिंग के आज भी चर्चे

☐ रवीना टंडन ने भले ही फिल्मी करियर काफी लंबे समय पहले शुरू किया था, लेकिन आज भी उनके चर्चों में कमी नहीं होती है. रवीना ने 90 के दशक में काफी कमाल की फिल्मों में काम किया है. प्रोफेशनल लाइफ में तो उन्होंने काफी सुर्खियां बटोरी हैं, लेकिन पर्सनल लाइफ में भी उनके काफी किस्से फेमस हैं. रवीना ने अनिल थडानी से शादी की है, हालांकि जिस वक्त एक्ट्रेस ने शादी की थी, ये भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया था. क्योंकि रवीना टंडन बॉलीवुड की पहली ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने डेस्टिनेशन वेडिंग की थी. रवीना की शादी डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए ही नहीं बाकी और भी कई खास चीजों के लिए जानी जाती है. हालांकि, सबसे पहले हम रवीना और अनिल की लव स्टोरी की बात की जाए, तो दोनों की मुलाकात साल 2003 में हुई थी. उस दौरान एक्ट्रेस एक स्पोर्ट्स ड्रामा, स्टम्प्ड की शूटिंग कर रही थीं. उस फिल्म में रवीना मे बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू किया था. जिस वक्त अनिल और रवीना की मुलाकात हुई थी, उस वक्त अनिल शादीशुदा थे. हालांकि, कुछ वक्त बाद ही अनिल ने नताशा से तलाक ले लिया. उसके बाद अनिल ने एक्ट्रेस के बर्थडे पर उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया और उन्होंने हां कर दी. रवीना टंडन की अनिल थडानी के साथ शादी राजस्थान के उदयपुर में काफी ग्रैंड तरीके से हुआ था. वो डेस्टिनेशन वेडिंग करने वाली पहली बॉलीवुड एक्ट्रेस थीं. उदयपुर के जग मंदिर पैलेस में दोनों पंजाबी और सिंधी रीति-रिवाजों के मुताबिक शादी कर ली. अपनी शादी में एक्ट्रेस ने अपनी मां का 35 साल पुराना शादी का जोड़ा पहना था, जिसे डिजाइनर मानव गंगवानी ने कस्टमाइज किया था. इसके साथ ही एक्ट्रेस ने रॉयल ज्वैलरी पहनी थी. रवीना के मंडप में आने की बात करें, तो उन्होंने हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींचा था. एक्ट्रेस ने अपनी ग्रैंड एंट्री 100 साल पुरानी डोली में की थी. ये डोली बहुत खास थी, क्योंकि एक वक्त पर इसमें मेवाड़ की रानी बैठा करती थीं. शादी के पहले का सारा इवेंट शिव निवास पैलेस में किया गया था. एक्ट्रेस के संगीत फंक्शन में पॉप सिंगर अमरिंदर सिंह ने अपने पूरे बैंड के साथ सिटी पैलेस में परफॉर्म किया था.

'तुम्बाड' फेम सोहम शाह ने बताई 'क्रेजी' की रिलीज डेट

☐ 'तुम्बाड' फेम सोहम शाह जो लगातार भारतीय सिनेमा में अपनी अदाकारी से नाम कमा रहे हैं, अब अपनी अगली फिल्म 'क्रेजी' लेकर आ रहे हैं। सोहम शाह ने एक बेहद क्रिएटिव और मस्ती से भरे अंदाज में 'तुम्बाड' के आइकॉनिक किरदार- हस्तर, दादी और विनायक को अपनी स्पेस में लाकर 'क्रेजी' की रिलीज डेट का खुलासा किया है। इस मस्ती भरी घोषणा में इन किरदारों ने 'क्रेजी' की दुनिया की एक झलक पेश की है। इंस्टा पर एक वीडियो शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा- हमारी प्यारी दादी और हस्तर विशेष रूप से क्रैक्सी की रिलीज डेट की घोषणा एक अनोखे तरीके से करने के लिए एक साथ आए हैं... क्योंकि, अब तो सब क्रेज़ी होने वाला है। क्रेजी रिलीज डेट फिल्म 28 फरवरी 2025 को रिलीज होने वाली है और इस अनोखे क्रॉसओवर ने फिल्म के रोमांच को और भी बढ़ा दिया है। अब फिल्म के बारे में हर जगह चर्चा हो रही है। फिल्म के लिए जो हलचल है, वो बस बढ़ती जा रही है। क्रेजी एक दमदार, अतरंगी थ्रिलर है। इस फिल्म को गिरीश कोहली ने लिखा और डायरेक्ट किया है। जिसे सोहम शाह, मुकेश शाह, अमिता सुरेश और आदेश प्रसाद ने प्रोड्यूस किया है। इसमें सोहम शाह लीड रोल में नजर आएंगे। सोहम शाह के पास आने वाले समय में कुछ बेहद दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें तुम्बाड 2 भी शामिल है, जो पसंदीदा सागा को और आगे बढ़ाने का वादा करती है। इसके अलावा, क्रेजी भी है, जिसे सोहम शाह फिल्म्स के तहत प्रोड्यूस किया जा रहा है।

रक्त ब्रह्मांड में दिखेगा समांथा का एक्शन अवतार

☐ साउथ सिनेमा हो या फिर बॉलीवुड इंडस्ट्री अब एक्टर्स के साथ-साथ एक्ट्रेसेस भी फिल्मों में एक्शन पर जोर देती हुई नजर आ रही हैं. दीपिका पादुकोण को 'पठान' में जबरदस्त फाइट सीक्वेंस और एक्शन करते हुए देखा गया. वहीं आलिया भट्ट वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' में धमाकेदार एक्शन करती हुई नजर आएंगी. अब एक्ट्रेसेस की एक्शन की रेस में साउथ स्टार समांथा रुथ प्रभु का नाम भी शामिल हो गया है. 'रक्त ब्रह्मांड: द ब्लडी किंगडम' में समांथा की एंट्री हो गई है. 'सिटाडेल: हनी बनी' में एक्शन दिखाने के बाद अब समांथा ने अपना अगला प्रोजेक्ट भी एक्शन वाला ही चुना है. इस सीरीज में आदित्य रॉय कपूर लीड रोल में नजर आने वाले हैं. आदित्य का किरदार भी काफी धमाकेदार होने वाला है. आदित्य ने फिल्म का एक्शन से भरपूर पहला शेड्यूल हाल ही में पूरा किया है. इस हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर में अपने किरदार को बेहतर बनाने के लिए आदित्य ने तलवार, हथियार और मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ली है. 'रक्त ब्रह्मांड: द ब्लडी किंगडम' में आदित्य रॉय कपूर और समांथा के अलावा मिर्ज़ापुर फेम अली फज़ल, वामिका गब्बी जैसे सितारे अहम किरादर निभाते हुए नजर आने वाले हैं. यह सीरीज़ 2025 में नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की जाएगी. इस सीरीज का डायरेक्शन 'तुम्बाड' फेम राही अनिल बर्वे करेंगे. इसे फैमिली मैन और सिटाडेल के निर्माता राज और डीके प्रोड्यूस कर रहे हैं. इस सीरीज को लेकर फैन्स के बीच काफी एक्साइटमेंट हैं. वहीं आदित्य रॉय कपूर के लिए ये एक बड़ा मौका है खुद को साबित करने का. आदित्य का फिल्मी करियर ग्राफ देखा जाए तो उन्होंने बतौर लीड एक्टर कम ही फिल्में हिट दी हैं.

उदित नारायण ने महिला फैन को किया किस

☐ बॉलीवुड के मशहूर सिंगर उदित नारायण अपने हिट गानों के लिए हमेशा ही लोगों के दिलों में जगह बनाए हुए हैं। वह सलमान खान से लेकर शाहरुख खान तक के लिए कई सुपरहिट गाने गा चुके हैं। लेकिन अब वह अपने एक वायरल वीडियो के चलते विवादों में आ गए हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी एक महिला फैन को लिप किस करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स सिंगर पर जमकर भड़क रहे हैं और उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। वायरल वीडियो में उदित नारायण लाइव कॉन्सर्ट के दौरान 'टिप टिप बरसा' गाना गा रहे होते हैं। इस दौरान उनके फैंस उनसे मिलकर फोटो क्लिक कराने के लिए उनके पास आते हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक महिला फैन उनके पास आती है और फोटो क्लिक करवाने के बाद जब वह विदा लेने के लिए जा रही होती है, तो सिंगर उसे गले लगाते हुए अचानक किस कर लेते हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो को लेकर जमकर प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कई लोग उदित नारायण की इस हरकत को गलत मानते हुए उनकी आलोचना कर रहे हैं, तो कुछ लोग इसे उनकी दीवानगी मानते हैं। इस पर उदित नारायण ने अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा, "फैन्स बहुत दीवाने होते हैं और हम सभ्य लोग हैं, हम ऐसा नहीं करते। यह सब दीवानगी होती है। कुछ लोग अपना प्यार जाहिर करने के लिए ऐसा करते हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है।" सिंगर ने यह भी कहा, "भीड़ में काफी लोग होते हैं और हमारे बॉडीगार्ड्स भी होते हैं, लेकिन फैंस को लगता है कि उन्हें एक मौका मिल रहा है, तो वे हाथ मिलाने या अपना प्यार दिखाने के लिए हाथ बढ़ाते हैं। ऐसे मामलों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए।"

महाकुंभ फेम मोनालिसा रोटियां बनाती आईं नजर

☐ महाकुंभ में इस वक्त कई घटनाएं हो रही हैं। वर्तमान में प्रयागराज मोहब्बत का शहर भी बना हुआ है क्योंकि परेशान श्रद्धालुओं के लिए मुसलमानों ने मस्जिदें खोल दी थीं और भंडारे किए हैं। लेकिन इस वक्त महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा का एक वीडियो फिर से सामने आया है। इस वीडियो में वो काफी खुश नजर आ रही हैं। वो अपने घर आ चुकी हैं किचेन से उनका वीडियो सामने आया है। मोनालिसा इस वीडियो में रोटियां बना रही हैं और उनका किचेन काफी आम सा है। किसी को शायद ही पता होगा कि एक महाकुंभ मोनालिसा की लाइफ बदल देगा और वो पूरे देश में मशहूर हो जाएंगी। किचेन में रोटी बनाती मोनालिसा काफी खुश हैं और लगातार बातें भी करती दिख रही हैं। हालांकि उनकी बातें सुनाई नहीं दे रही हैं क्योंकि वो बैकग्राउंड में गाने बज रहा है। बता दें कि इस पोस्ट को खुद मोनालिसा ने किया है। उन्होने इसके साथ कैप्शन लिखा है, ''मैं घर पर खाना बनाना री हू आप सभी ने खाना क्या क्या।'' इसके बाद लोग हमेशा की तरह फिर से उनके इस वीडियो पर कमेंट्स कर रहे हैं।

महाकुंभ की दूसरी वायरल गर्ल

☐ महा कुंभ में इस वक्त काफी कुछ ऐसा हो रहा है जो कि चर्चा में है। कुछ अच्छी खबरें आ रही हैं तो वहीं भगदड़ में हुई मौतों ने लोगों का दिल दहला दिया है। लेकिन इस वक्त महा कुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा चर्चा में है। उसकी वीडियोज और तस्वीरें सामने आते ही आग की तरह वायरल हो जाती हैं। लेकिन इस वक्त मोनालिसा के अलावा एक और लड़की है जिसका वीडियो वायरल हो रहा रहै है। जी हां, एक और महा कुंभ वायरल गर्ल का वीडियो सामने आया है जो कि साध्वी की वेश में है। बता दें कि ये महिला एक एयर होस्टेस है और उनका नाम डीजे शर्मा है।

फिल्म 'दिल्ली 2020' नहीं होगी रिलीज!

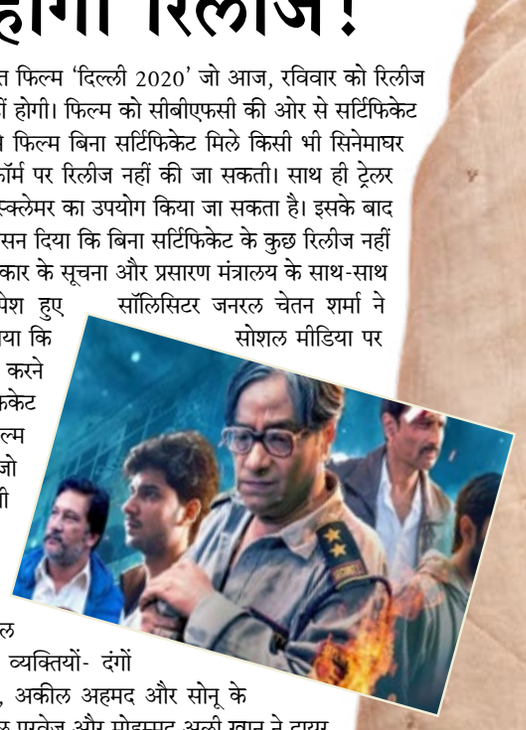

☐ दिल्ली दंगों पर आधारित फिल्म 'दिल्ली 2020' जो आज, रविवार को रिलीज होनी थी वह अब रिलीज नहीं होगी। फिल्म को सीबीएफसी की ओर से सर्टिफिकेट नहीं मिला है। जिस वजह से फिल्म बिना सर्टिफिकेट मिले किसी भी सिनेमाघर या किसी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज नहीं की जा सकती। साथ ही ट्रेलर को रिलीज करने के लिए डिस्क्लेमर का उपयोग किया जा सकता है। इसके बाद निर्माताओं ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि बिना सर्टिफिकेट के कुछ रिलीज नहीं किया जाएगा। वहीं, केंद्र सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ-साथ सीबीएफसी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने जस्टिस सचिन दत्ता को बताया कि सोशल मीडिया पर फिल्म के ट्रेलर को रिलीज करने के लिए सीबीएफसी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होती। फिल्म 'दिल्ली 2020' पर जो रिलीज को लेकर रोक लगी है वह दिल्ली दंगों के कथित आरोपी शरजील इमाम सहित तीन लोगों ने दायर की है। पहली याचिका शरजील ईमाम, दूसरी याचिका पांच व्यक्तियों- दंगों के आरोपी तसलीम अहमद, अकील अहमद और सोनू के साथ-साथ दंगा पीड़ित साहिल परवेज और मोहम्मद अली खान ने दायर की है। वहीं तीसरी याचिका आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ रहे निर्दलीय उम्मीदवार उमंग ने दायर की है और जस्टिस दत्ता ने मामले में आदेश सुरक्षित रख लिया है। बता दें, एक याचिका पांच लोगों ने दायर की है। दंगा पीड़ित साहिल परवेज जिन्होंने अपने पिता को खो दिया और मोहम्मद सईद सलमान जिनकी मां को जिंदा जला दिया गया था और तीन आरोपी अकील अहमद, सोनू और तस्लीम अहमद (जो अभी भी जेल में हैं)। इमाम की याचिका में कोर्ट से निर्देश मांगा गया है कि जब तक उनका मुकदमा पूरा नहीं हो जाता, तब तक पोस्टर, चित्र और ट्रेलर जैसी सभी प्री-रिलीज़ को हटा दिया जाए या रिलीज ही न होने दिया जाए।